भीलवाड़ा,रविवार,10,नवम्बर, 2024

RNI NO. RAJHIN/2016/74127

नमस्ते राजस्थान

वर्ष : 09, अंक: 16 | E-Mail: namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com | भीलवाड़ा संस्करण | पृष्ठ 08 मूल्य 4 रुपए हिन्दी साप्ताहिक समाचार-पत्र | मो. 9214417111, 8005910698

पुष्कर मेले में ऊंट का डांस;पहली बार निकाली रैली

विदेशी मेहमानों ने बजाया नगाड़ा; अमेरिकी टूरिस्ट बोली- ऐसा अनुभव आपको कहीं नहीं मिलेगा

नमस्ते राजस्थान

__पुष्कर(अजमेर)__ अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेले की आज से विधिवत शुरूआत हो गई है। 15 नवंबर तक चलने वाले इस मेले के पहले दिन पुष्कर और आसपास के सरकारी स्कूलों की 200 से ज्यादा छात्राओं ने राजस्थानी गीतों पर परफॉर्मेंस दी। विदेशी पर्यटकों ने इन छात्राओं के साथ फोटो भी खिंचाए। इस दौरान विदेशी मेहमानों ने प्रसिद्ध नगाड़ा वादक के साथ नगाड़ा भी बजाया। मेले में पहली बार 51 ऊंटों की रैली (परेड) निकालकर ऊंटों के संरक्षण का मैसेज दिया। यह रैली पुराने मेला मैदान से नए मेला मैदान तक 1 किलोमीटर निकाली गई। इस दौरान सेंड आर्टिस्ट अजय रावत ने रेत पर ऊंटों की आकृति उकेरी। मेले में ऊंट ने डांस भी किया। भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों के बीच चक दे इंडिया फुटबॉल मैच का आयोजन हुआ। रोमांचक मुकाबले में भारतीय टीम ने 4-3 से जीत हासिल की।

मंत्री ने झंडा फहराकर की शुरूआत

मेले का उद्घाटन शनिवार सुबह 10 बजे कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत ने झंडा फहराकर किया। इसके बाद राष्ट्रगान गाया गया। जिला कलेक्टर लोक बंधु, एसपी वंदिता राणा, नगर परिषद अध्यक्ष कमल पाठक और उपाध्यक्ष शिव स्वरूप महर्षि भी मौजूद रहे। विधिवत पूजा-पाठ के बाद मेले का शुभारंभ होने के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। प्रसिद्ध नगाड़ा वादक नाथूलाल सोलंकी और उनकी टीम ने नगाड़ा बजाया। इस दौरान विदेशी युवतियों ने नगाड़ा बजाने की बात की तो टीम ने उन्हें मंच पर बैठा लिया और स्टिक हाथ में थमा दी। पुष्कर और आसपास गांवों की स्कूलों की 200 छात्राओं ने राजस्थानी गीतों पर डांस किया। पुष्कर सरोवर के 52 घाट पर दीपक जलाकर महाआरती की जाएगी। नगर परिषद आयुक्त कीर्ति कुमावत ने बताया- 52 घाट पर महाआरती के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, छात्राओं और स्थानीय लोगों घाटों पर खूबसूरत रंगोलियां बनाई है। अलग-अलग संस्थाओं को घाट सजाने का जिम्मा दिया है।

पर्यटक बोले- मेला बहुत शानदार, ऊंट-घोड़े बहुत ही खूबसूरत

अमेरिका से आईं पर्यटक सिंथिया ने बताया- मैं दूसरी बार पुष्कर आई हूं। बताना चाहती हूं कि यह शानदार है। दूसरी बार में यह मेला ज्यादा अच्छा लग रहा है। इस बार ज्यादा पशु हैं। सजे-धजे ऊंट और राजस्थानी पोशाक में नाचती महिलाओं को देखना शानदार अनुभव है। मैं सभी से कहना चाहती हूं कि भारत आएं और पुष्कर मेले का लुत्फ लें। ऐसा अनुभव आपको कहीं नहीं मिलेगा। अमेरिका से आई टूरिस्ट एर्लिन ने कहा- मैं पहली बार पुष्कर आई हूं। यह मेला बहुत शानदार है। यहां लोग बहुत फ्रेंडली हैं, स्वागत करने का तरीका बहुत अच्छा लगा। स्विट्जरलैंड की कैथरिना ने कहा- मैं पहली बार ही भारत और पुष्कर आई हूं। यह मेला बहुत ही शानदार है। ऊंटों को बहुत ही सुंदर तरीके से सजाया गया है। यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है। न्यूजीलैंड से आए पर्यटक टेओ ने कहा- मेला बहुत शानदार है। ऊंट और घोड़े बहुत ही खूबरसूरत हैं। ये जगह भी बहुत ही सुंदर है।

5 हजार से ज्यादा पशु आए

पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. सुनील घीया ने बताया- मेले में अब तक 5000 से अधिक पशु पहुंच चुके हैं। इनमें 1831 ऊंट और 3328 घोड़े हैं। अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेले को लेकर विदेशी टूरिस्ट में खास आकर्षण होता है। यहां विदेशी मेहमानों को लुभाने के लिए टेंट सिटी बसाई गई है। ऊंटों की परेड, कालबेलिया समेत पारंपरिक डांस, गीत-संगीत समारोह, खेल प्रतियोगिताओं और पुष्कर सरोवर पर दीपदान जैसे कार्यक्रमों के कारण इसे लेकर विदेशी पर्यटकों में आकर्षण रहता है।

मांडना प्रतियोगिता में श्रीनगर की टीम जीती

देशी-विदेशी पर्यटकों की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें राजस्थान की कला-संस्कृति से रूबरू कराने के उद्देश्य से दोपहर करीब 1 बजे मांडना प्रतियोगिता और चक दे इंडिया फुटबॉल प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें देश-विदेश के पर्यटकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मांडना प्रतियोगिता में पंचायत समिति, राजीविका और आईसीडीएस की विभिन्न टीमों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में एक टीम विदेशी प्रतिभागियों की भी शामिल थी। प्रतियोगिता में पहले स्थान पर श्रीनगर की टीम, दूसरे स्थान पर पीसांगन और तीसरे स्थान पर किशनगढ़ ग्रामीण की टीम रही। विजेता टीमों को स्मृति चिह्न और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

चक दे इंडिया फुटबॉल: भारतीय टीम ने 4-3 से जीता मैच

मेले में इस बार भी चक दे इंडिया फुटबॉल मैच भी हुआ। रोमांचक मुकाबले में स्थानीय भारतीय टीम ने विदेशी टीम को 4-3 के अंतर से पराजित किया। मैच के पहले हाफ में विदेशी खिलाड़ियों ने 2-0 से बढ़त बनाई थी, लेकिन दूसरे हाफ में भारतीय टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए चार गोल किए। विदेशी टीम दूसरे हाफ में केवल एक गोल ही कर पाई। मैच के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

कैलाश खेर और अनूप जलोटा देंगे परफॉर्मेंस

मेले में 12 नवंबर को भजन गायक अनूप जलोटा और 14 नवंबर को बॉलीवुड गायक कैलाश खेर प्रस्तुति देंगे। कैलाश खेर तीसरी बार पुष्कर पहुंचेंगे। पहली बार ब्रह्मा मंदिर में क्लासिकल म्यूजिक और ध्रुपद गायन का आयोजन किया जाएगा।

होटल-धर्मशालाएं फुल

मेला कमेटी के सदस्य के मुताबिक- इस बार 4500 विदेशी पर्यटक पहुंचे हैं। पिछले साल विदेशी पर्यटकों की संख्या करीब 3000 रही थी। मेले से पहले ही 70 प्रतिशत बुकिंग हो चुकी थी। अभी सभी होटल और धर्मशालाएं फुल हैं।

हाईकोर्ट ने लिस्ट में याचिकाकर्ता का नाम शामिल करने कहा

ई-मित्र संचालक की गलती से मार्क्स कम हुए थे, आयुष कंपाउंडर-नर्स भर्ती का मामला

नमस्ते राजस्थान

जोधपुर जोधपुर हाईकोर्ट ने आयुष कंपाउंडर-नर्स की जारी होने वाली मेरिट लिस्ट में याचिकाकर्ता का नाम सम्मिलित करने के आदेश दिए हैं। ई-मित्र संचालक की गलती से डिप्लोमा फर्स्ट ईयर के प्राप्तांक में से 8 अंक कम दशार्ने से याची को चयन प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया था। इस पर याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में अपील की थी। जिस पर सुनवाई के बाद जस्टिस दिनेश मेहता की सिंगल बेंच ने यह आदेश दिए।नरसी लाल मीणा लालसोट (दौसा) की ओर से अधिवक्ता यशपाल खिलेरी ने रिट याचिका दायर की थी।

1015 पदों के लिए हुई थी भर्ती

यशपाल खिलेरी ने बताया- याचिकाकर्ता ने डिप्लोमा इन आयुष नर्सिंग एवं फामेर्सी के प्रथम वर्ष में 731 अंक अर्जित किए और और द्वितीय वर्ष में 845 अंक प्राप्त किए थे। इसके बाद उसने राजस्थान आयुर्वेद नर्सिंग काउंसिल, जयपुर में रजिस्ट्रेशन भी करवा लिया। आयुष विभाग, जयपुर ने पिछले वर्ष 3 अक्टूबर को कंपाउंडर-नर्स जूनियर ग्रेड के कुल 1015 पदों के लिए हुई भर्ती प्रक्रिया को पूरा किया था। इसके बाद 21 अक्टूबर को जारी प्रोविजनल मेरिट लिस्ट में से याची का नाम यह कहते हुए हटा दिया गया।

इसमें कहा गया कि उसने ऑनलाइन आवेदन पत्र में डिप्लोमा कोर्स के प्रथम वर्ष में 731 के स्थान पर 723 लिखा गया था जिससे उसके 8 अंक कम हो गए। इसके चलते अनुसूचित जनजाति वर्ग में अंतिम चयनित अभ्यर्थी से उसके प्राप्तांक कम हैं। इस पर याचिकाकर्ता ने परिवेदना पेश की। लेकिन, इसके बाद भी जब विभाग द्वारा प्रोविजनल मेरिट लिस्ट 24 अक्टूबर को जारी की गई उसमें उसका नाम शामिल नहीं था। इस पर उसने हाईकोर्ट की शरण ली और याचिका पेश की। याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि ई-मित्र कार्मिक की गलती की वजह से याचिकाकर्ता को दोषी नहीं ठहराया जा सकता है जबकि दस्तावेज सत्यापन काउंसिलिंग का उद्देश्य ही ऑनलाइन आवेदन पत्र में अंकित तथ्यों का मूल दस्तावेजों से मिलान कर अभ्यर्थियों के सही प्राप्तांक से मेरिट लिस्ट बनाना होता है।

ई मित्र संचालक से अनजाने में हुई गलती

याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि ऐसे में अगर याची अपने अंक ऑनलाइन आवेदन पत्र में ज्यादा दर्शा देता तो विभाग उक्त अंको के आधार पर नियुक्ति कतई नहीं देता।। ईमित्र संचालक की अनजाने में हुई गलती की सजा याची को देने से उसके साथ भारी अन्याय हो जाएगा। जबकि मूल अंकतालिकाएं का सत्यापन भी भर्ती एजेंसी आयुर्वेद विश्वविद्यालय द्वारा किया जा चुका है। ऐसे में याची को चयन प्रक्रिया से बाहर कर देना संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 का उल्लंघन है। याची की ओर से उक्त भर्ती प्रक्रिया में याची के वास्तविक प्राप्तांक को कंसिडर करते हुए अंतिम वरीयता सूची में शामिल करने की गुहार लगाई ।बहस के दौरान अप्रार्थी विश्वविद्यालय और राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि याची का नाम नियमानुसार कंसीडर कर लिया जाएगा।

प्रार्थना पत्र पेश करने की रहेगी छूट

याची की ओर से बताया गया कि विभाग कभी भी अंतिम मेरिट लिस्ट और उसके बाद चयन सूची जारी कर सकती है और याची का नाम उसमें सम्मिलित नहीं होने पर उसके अधिकारों पर प्रभाव पड़ेगा। प्रकरण के तथ्यों और मामले की परिस्थितियों को देखते हुए राजस्थान हाइकोर्ट सिंगल बैंच ने रिट याचिका निस्तारित करते हुए आयुष विभाग द्वारा कंपाउंडर-नर्स भर्ती के लिए जारी होने वाली अंतिम मेरिट लिस्ट में याची को कंसिडर करने का अहम आदेश दिया। साथ ही, यदि याची का केस कंसिडर नही होता है या कोई शिकायत बकाया रहती है तो उसे रिट याचिका को पुनर्जीवित करने के लिए प्रार्थना पत्र पेश करने की छूट रहने का भी आदेश दिया।

फर्जी पट्टे बनाकर जमीन पर कब्जा करने वाले गिरफ्तार:

खाली पट्टे व सोसायटी पदाधिकारियों की मोहरें बरामद हुई, दो को पकड़ा

नमस्ते राजस्थान

जयपुर जयपुर में पुलिस ने जमीनों के फर्जी दस्तावेज बनाकर कब्जा करने वाले दो भू माफियाओं को गिरफ्तार किया है। बदमाश खाली पड़े प्लॉट पर सहकारी समितियों के फर्जी पट्टे बनाकर कब्जा करते थे। एक बदमाश के कब्जे से इन्द्रा नगर गृह निर्माण सहकारी समिति के कई खाली पट्टे व सोसायटी पदाधिकारियों की मोहरें बरामद हुई हैं। मामले में बनवारीलाल जाट व ओम प्रकाश टेलर को गिरफ्तार किया गया है। दोनों ने इन्द्रानगर गृह निर्माण सहकारी समिति द्वारा सृजित आवासीय योजना कपिल विहार में कई प्लॉटों के फर्जी पट्टे बनाकर उनका सेल्स लेटर और रजिस्ट्री से प्लाटों पर कब्जे किए हैं। गिरफ्तार आरोपी इन फर्जी पट्टों के आधार पर बिजली कनेक्शन लिया करते थे। बनवारी लाल जाट ने अपने गिरोह के अन्य साथी कुलदीप शर्मा के साथ मिल कर कपिल विहार कॉलोनी के कई फर्जी पट्टे बनाकर प्लॉटों पर कब्जा कर लिया था। डीसीपी ईस्ट तेजस्वनी गौतम ने बताया- पिछले कुछ समय से शिकायत मिल रही थी की कुछ लोग फर्जी दस्तावेज तैयार कर खाली प्लाट पर कब्जा कर रहे हैं। ये लोग जमीनों के फर्जी पट्टा बनवाकर उन पट्टों की मदद से प्लॉट पर बिजली कनेक्शन ले लेते थे। इसके बाद ये लोग उस पर दीवार बनाकर कब्जा कर लिया करते थे।

पीड़ित प्लॉट पर गया तो किसी और का नाम लिखा था

30 अक्टूबर को एक रिपोर्ट प्रताप नगर थाने में दर्ज हुई। इसमें बताया- पीड़ित पक्ष ने साल 2001 में एक प्लॉट नं. 17 ए क्षेत्रफल 286.86 वर्ग गज इकरारनामा के जरिए खरीदा था। आवासीय योजना को जयपुर विकास प्राधिकरण के मास्टर प्लान 2011 के अनुसार सोसायटी द्वारा रिवाइज करने पर वर्ष 2007 में पीड़ित द्वारा सोसायटी में आवेदन करने पर प्लाट न. 17 ए कपिल विहार का रिवाइज पट्टा अपने नाम से ट्रांसफर करवा लिया। इन्द्रा नगर गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर द्वारा अपनी उक्त आवासीय योजना को रिवाइज कर मेरे नाम से प्लाट न. बी-165 कूल क्षेत्रफल 168.06 वर्गगज का पट्टा जारी किया गया था। इस पर पीड़ित ने प्लाट के चारों तरफ बाउण्ड्रीवाल व एक कमरे का निर्माण कर गेट लगा कर कब्जा प्राप्त कर लिया था। 30 अगस्त को जब पीड़ित प्लॉट पर गया तो प्लॉट की बाउण्ड्रीवाल पर उसके नाम व मोबाइल नम्बर पर कलरपेंट किया हुआ था। इस पर पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराई जिस के बाद प्रताप नगर थाना पुलिस ने बनवारीलाल जाट व ओम प्रकाश टेलर को गिरफ्तार किया।

शिफ्टिंग करते समय चिड़ियाघर में हुई एमू की मौत, गुपचुप दफनाया:

दीवार से सिर टकराने से गई जान, जू डॉक्टर बीमारी को बता रहे मौत की वजह

नमस्ते राजस्थान

जयपुर रामनिवास बाग स्थित चिड़ियाघर से एमू पक्षियों को नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में शिफ्ट करने के दौरान शुक्रवार सुबह एक मादा एमू पक्षी की मौत हो गई। जू प्रशासन ने घटना के बाद पोस्टमार्टम कर एमू को चिड़ियाघर में ही दफना दिया गया। जू प्रशासन ने इस मामले की किसी को भनक तक नहीं लगने नहीं दी। एमू की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आना अभी बाकी है। चिड़ियाघर के एक कर्मचारी ने बताया कि यह मादा एमू स्वस्थ थी और इन्हें नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में शिफ्ट किया जा रहा था। सुबह 10.30 पौने ग्यारह बजे के करीब पिंजरे में जब एमू को पकड़ने गए तो वह इधरझ्रउधर भागने लगी। इस बीच बचने के लिए वह पिंजरे में बनी गुमटी में घुस गई। टीम ने उसकी आंखों को ढक दिया और गुमटी से बाहर ला रहे थे उसी वक्त उसने अपनी लंबी गर्दन को झटके से घुमाया जिससे सिर गुमटी की दीवार में लगा और वहीं ढेर हो गई। एमू के साथ हुई इस घटना से पूरी टीम घबरा गई और आनन-फानन में उसका पोस्टमार्टम कर दफना दिया गया।

टाइगर सफारी शुरू, पहले दिन 11 लोगों ने देखे बाघ

शुक्रवार को नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में उद्घाटन के एक महीने बाद टाइगर सफारी की शुरूआत हुई। पहले दिन 98 लॉयन सफारी और 11 लोगों ने पार्क में टाइगर सफारी का लुत्फ लिया। पर्यटकों को सफारी के दौरान पार्क के तीन बाघ गुलाब, चमेली और भक्ति नजर आए। उनके वीडियो और फोटो खींचकर सभी बहुत रोमांचित दिखे। पार्क में सुबह 9 से शाम 5 बजे तक लॉयन सफारी, टाइगर सफारी का लुत्फ लिया जा सकता है। पार्क में सफारी का टिकट देशीझ्रविदेशी पर्यटकों के लिए फिलहाल 200 रुपए का है, जबकि जूलॉजिकल पार्क की टिकट देशी के लिए 50 रुपए और विदेशी पर्यटकों के लिए 300 रुपए का है।

जू चिकित्सक मौत की वजह बताई बीमारी

चिड़ियाघर में 11 एमू ही बचे, 27 को किया शिफ्ट

मादा एमू की मौत के बाद चिड़ियाघर में अब 11 एमू पक्षी बचे हैं। ये सभी 11 एमू यहीं पैदा हुए हैं और अब वयस्क हो गए हैं। यहां से 27 एमू अब तक नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में शिफ्ट किया जा चुका है। चिड़ियाघर के सभी पक्षियों को बायोलॉजिकल पार्क में ही शिफ्ट किया जाना है। दो तीन-दिन से इनमें से तीन एमू पक्षियों को नाहरगढ़ शिफ्ट करने के लिए कहा जा रहा था। इन्हें शिफ्ट करने के लिए जैसे ही टीम ने पकड़ने का प्रयास किया हादसे में एक मादा एमू की जान चली गई।

जयपुरिया हॉस्पिटल अधीक्षक ने नाराज होकर सरकार को भेजा इस्तीफा:

6 महीने में दूसरी बार दिया रेजिग्नेशन, डॉक्टर के ड्राइवर का मरीजों को इंजेक्शन लगाते वीडियो आया था

नमस्ते राजस्थान

जयपुर जयपुर के रुकमणी देवी बेनी प्रसाद जयपुरिया हॉस्पिटल के अधीक्षक ने डॉक्टर महेश मंगल ने सरकार को अपना इस्तीफा पत्र भेज दिया है। राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ एंड साइंसेंज (फ्ल्रर) के कार्यवाहक कुलपति डॉक्टर धनंजय अग्रवाल की कार्यशैली से खफा होकर डॉ. मंगल ने इस्तीफा दिया है। पिछले 6 माह में ये दूसरा मौका है, जब डॉ. मंगल ने सरकार को पत्र लिखकर अधीक्षक पद से हटाने की बात कही है। इससे पहले 29 मई को भी डॉक्टर महेश मंगल ने इस्तीफा पत्र दिया था। उस समय तत्कालीन एसीएस शुभ्रा सिंह की विजिट में अव्यवस्थाएं पाए जाने के बाद डॉक्टर मंगल को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इसके जवाब में डॉक्टर ने इस्तीफा पत्र देते हुए उनकी जगह कोई दूसरा विकल्प तलाशने की बात कही थी। आज भी डॉ. मंगल ने इस्तीफा पत्र सरकार को भेजा है। इसमें भी उनके स्थान पर कोई दूसरा अधीक्षक लगाने की बात कही है। इसके साथ ही उन्होंने फ्ल्रर के कार्यवाहक कुलपति डॉ. धनंजय अग्रवाल की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े किए हैं। दरअसल कुछ समय पहले डॉ. धनंजय अग्रवाल ने भी जयपुरिया हॉस्पिटल का निरीक्षण किया था, जहां अव्यवस्थाएं दिखने पर अग्रवाल ने नाराजगी जताई थी।

पहले भी हो चुके है कई विवाद

डॉ. महेश मंगल के पद पर रहते कई विवाद सामने आ चुके है। हाल ही में उनके ड्राइवर का वीडियो सामने आया था, जिसमें वह हॉस्पिटल की इमरजेंसी में आए मरीजों को इंजेक्शन लगाते नजर आ रहे थे। इस मामले में आरयूएचएस के प्रिंसिपल ने डॉ. मंगल से स्पष्टीकरण मांगते हुए नोटिस जारी किया था। करीब 8 माह पहले हॉस्पिटल में ही कार्यरत एक महिला नर्सिंग ऑफिसर ने डॉ. मंगल के खिलाफ प्रताड़ित करने की शिकायत की थी। इस शिकायत के बाद नर्सिंग ऑफिसर ने खुद और उनके पति को प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए सरकार में शिकायत दी थी। इससे पहले भी कुछ पैरा मेडिकल स्टाफ और जनरल स्टाफ (सफाई कर्मचारी, कम्प्यूटर ऑपरेटर) भी डॉक्टर के खिलाफ प्रताड़ित करने की शिकायत कर चुके हैं।

उदयपुर में विदेशी युवती को गोली मारी:

3 लड़के प्राइवेट हॉस्पिटल में छोड़कर भागे, आधी रात के बाद होटल से निकली थी

नमस्ते राजस्थान

उदयपुर उदयपुर शहर में शनिवार सुबह विदेशी युवती को सरेआम गोली मार दी गई। उसके बाएं हाथ के नीचे पसलियों में गोली लगी है। युवती को 3 लड़के प्राइवेट हॉस्पिटल में छोड़कर भाग गए। मामला संदिग्ध मानते हुए घायल को महाराणा भूपाल (टइ) हॉस्पिटल रेफर किया गया। युवती का इलाज चल रहा है। एसपी योगेश गोयल ने बताया- युवती का नाम मिस थाई थेम चुक (24) है। वह थाईलैंड की रहने वाली है। युवती नशे में थी और पूछताछ में सहयोग नहीं किया। वह चार दिन से अपने दोस्त के साथ उदयपोल (माली कॉलोनी) स्थित होटल वीर पैलेस में ठहरी हुई है। दोस्त से भी पूछताछ की जाएगी। इसके अलावा सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। युवती के मोबाइल को भी देखा जा रहा है। हो सकता है, उससे कोई सुराग मिल जाए।

निजी हॉस्पिटल छोड़कर गए थे 3 युवक

एसपी ने बताया- आज सुबह 6 बजे एमबी हॉस्पिटल से सूचना मिली कि एक विदेशी युवती को घायल हालत में हॉस्पिटल लाया गया है। उसको पेसिफिक मेडिकल कॉलेज की एंबुलेंस लेकर आई थी। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज से पता लगा कि सुबह करीब चार से साढ़े चार बजे 3 युवक युवती को इमरजेंसी में छोड़कर गए थे।

गोली अभी फंसी हुई, डॉक्टर इलाज कर रहे

युवती के शरीर में गोली फंसी हुई है। डॉक्टर इलाज कर रहे हैं। युवती रात को डेढ़ बजे किन लोगों के साथ गई थी। कौन लोग उसे हॉस्पिटल छोड़कर गए। आस-पास लगे सभी सीसीटीवी फुटेज को देखकर जांच की जा रही है।

रात डेढ़ बजे होटल से निकली थी

होटल के सीसीटीवी फुटेज देखे गए हैं। फुटेज से सामने आया कि युवती शुक्रवार रात 1.30 बजे होटल से नीचे उतरी और 1.31 बजे बाहर खड़ी एक टैक्सी से रवाना हो गई। युवती संभवत टूरिस्ट वीजा पर यहां आई है। हालांकि अभी कुछ भी स्पष्ट नहीं है। एसपी ने कहा- होटल व्यवसायी, बार संचालक या किसी को भी युवती के बारे में कोई जानकारी हो तो पुलिस को बताएं। वह बाहर क्यों गई, अभी इसका खुलासा नहीं हुआ है।

दोस्त के साथ जाने का कहकर निकली थी

फिलहाल युवती की महिला दोस्त ने बताया है कि दोनों ने होटल में रात साढ़े 8 बजे खाना खाया था। डेढ़ बजे के करीब वह अपनी किसी दोस्त के साथ जाने की कहकर होटल से निकल गई थी।

दिल्ली की महिला से जयपुर के होटल में रेप

पीड़ित महिला ने बजाज नगर थाना पुलिस को बताई आप बीती, होटल में मीटिंग के बहाने बुला कर किया रेप

नमस्ते राजस्थान

जयपुर जयपुर के बजाज नगर थाना पुलिस ने दिल्ली निवासी एक महिला की शिकायत पर उसके साथ रेप होने का मामला दर्ज किया हैं। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि वह 7 नम्बर को होटल रैड फॉक्स में शाम को 9 बजे पहुंची जहां पर आरोपी डीके शर्मा ने उस के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने इस का विरोध किया लेकिन वह नहीं माना। जिस पर पीड़िता की ओर से होटल के बाहर आने पर पुलिस को शिकायत दी गई। बजाज नगर थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर डीके शर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली हैं। जांच अधिकारी सीआई ममता मीणा ने बताया कि दिल्ली की महिला जयपुर में बिजनेस के सम्बन्ध में मीटिंग करने के लिए आई थी। जयपुर में महिला की मीटिंग डीके शर्मा नाम के व्यक्ति के साथ होनी थी। रिपोर्ट के अनुसार डीके शर्मा ने पीड़ित महिला को जेएलएन मार्ग स्थित होटल रैड फॉक्स में बुलाया जहां पर पर महिला करीब 9 बजे पहुंची और होटल से रात 11.50 पर बाहर निकली। महिला ने शिकायत दी है कि उस के साथ होटल में डीके शर्मा ने रेप किया। वह किस को यह बात बताने पर मारने की धमकी भी दी। पीड़िता की शिकायत पर डीके के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं। वहीं महिला का मेडिकल कराया गया महिला के जल्द 164 के बयान दर्ज कराए जाएंगे।

झोली फैलाकर सांसद संजना जाटव ने वोट मांगे

कांग्रेस की स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल भरतपुर की सांसद घर-घर जाकर कर रहीं संपर्क

नमस्ते राजस्थान

भरतपुर उपचुनाव में अपने-अपने प्रत्याशियों को जिताने के लिए नेताओं ने जान झोंक दी है। वोटरों को आकर्षित करने के लिए नेता कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। कोई डांस कर रहा है तो कोई झोली फैलाकर वोट मांग रहा है। कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा से लेकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के डांस करने के कई वीडियो सामने आ चुके हैं। अब सांसद (भरतपुर) संजना जाटव का एक वीडियो सामने आया है। इसमें वह झोली (आंचल) फैलाकर कांग्रेस प्रत्याशी आर्यन जुबेर खान के लिए वोट मांग रही हैं। संजना को पार्टी ने उपचुनाव के लिए स्टार प्रचारकों की लिस्ट में रखा है। आर्यन रामगढ़ (अलवर) से कांग्रेस प्रत्याशी हैं।

आर्यन जुबेर खान के समर्थन में हुई थी जनसभा

रामगढ़ के बड़ौदामेव इलाके में शुक्रवार को आर्यन जुबेर खान के लिए जनसभा का आयोजन किया गया था। इसमें प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, सांसद भजनलाल जाटव, सांसद संजना जाटव शामिल हुए थे।

वीडियो खूब हो रहे शेयर

संजना जाटव राजस्थान में 7 सीटों पर हो रहे उपचुनाव के लिए जमकर प्रचार कर रही हैं। इसका वीडियो खूब शेयर किया जा रहा है। संजना ने जब लोकसभा चुनाव लड़ा था, उस वक्त भी उनके वीडियो सोशल मीडिया पर छाए रहते थे। इनमें वे महिलाओं के साथ डांस करती नजर आई थीं। संजना खेती-किसानी से भी जुड़ी हैं। घर व खेत के काम करते हुए भी उनके वीडियो सामने आते रहते हैं।

रामगढ़ में सहानुभूति की जंग

अलवर के रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र का उप चुनाव बीजेपी ने सुखवंत सिंह को टिकट दिया है। वहीं कांग्रेस ने यहां से विधायक रहे दिवंगत नेता जुबेर खान के बेटे आर्यन को मैदान में उतारा है। जुबेर के निधन के बाद यह सीट खाली हुई थी। कांग्रेस ने इस सीट पर सहानुभूति कार्ड खेला है।

आर्यन के समर्थन में हुई कांग्रेस की जनसभा

आर्यन के समर्थन में रामगढ़ के बड़ौदामेव में शुक्रवार को कांग्रेस की बड़ी सभा हुई थी। 13 नवंबर को यहां मतदान होगा, जिसमें करीब 2 लाख 73 हजार मतदाता रामगढ़ विधानसभा के विधायक का निर्णय करेंगे। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सभा में कहा था- रामगढ़ में इस बार बेहद दिलचस्प मुकाबला होगा। हालात यह है कि मुख्यमंत्री भजनलाल को दोबारा रामगढ़ आना पड़ रहा है। ऐसा लग रहा है कि एक बार में उनका काम नहीं हो रहा। इसलिए बार-बार आना पड़ रहा है। केंद्रीय मंत्री और राजस्थान के मंत्री सब रामगढ़ में ही तैनात हैं, जबकि राज्य के अन्य छह स्थानों पर भी चुनाव हो रहे हैं। रामगढ़ के समझदार लोग जानते हैं कि चाहे कोई मंत्री आए या मुख्यमंत्री, उनकी समझ और मत बदलने वाला नहीं है।

डोटासरा ने कहा- कृषि मंत्री ने ऋण माफ करने से इनकार किया

पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा था- जुबेर खान ने भाईचारे, ईमानदारी और पूर्ण समर्पण के साथ विकास के काम किए। सरकार ने किसानों के लिए कोई लाभकारी योजना लागू नहीं की है। भाजपा ने संकल्प पत्र में बाजरे की एमएसपी पर खरीद का वादा किया था, लेकिन आज तक वह शुरू नहीं हुई। कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने किसानों का ऋण माफ करने से इनकार कर दिया और किसानों की नीयत पर सवाल उठाए।

सरकारी कर्मचारियों ने भाजपा नेता पर लगाया मारपीट का आरोप:

PHED-की टीम रेवेन्यू वसूली के लिए गई थी, कनेक्शन काटने की बात पर हुआ विवाद

नमस्ते राजस्थान

बांसवाड़ा बांसवाड़ा शहर में एक भाजपा नेता की दबंगई का वीडियो सामने आया है। मामला जलदाय विभाग की रेवेन्यू वसूली से जुड़ा है। विभाग के कनिष्ठ अभियंता हरीश ने बताया- वो सुबह विभागीय निदेर्शों के अनुसार अएठ हरि मोहन मीणा और अन्य कार्मिकों के साथ वसूली के लिए गए थे। शुरूआत मोचीवाड़ा से की थी। जहां जिन लोगों ने रेवेन्यू नहीं दिया, उनके कनेक्शन काट दिए। इस दौरान किसी ने कहा कि वे एक से दो दिन में जमा करवा देंगे, तो उन्हें निर्धारित छूट प्रदान कर दी गई। कनिष्ठ अभियंता हरीश ने बताया- हम कार्यवाही करते हुए आगे बढ़े और पुराना बस स्टैंड के पास आदिनाथ टेलीकॉम पहुंचे। वहां दुकान के मालिक विकेश मेहता मौजूद नहीं थे। उनके कार्मिकों ने मेहता का नंबर दिया और हमने उन्हें बकाया वसूली के लिए आना बताया। उन्होंने कहा कि मैं मालवीया का आदमी हूं, कनेक्शन कैसे काट सकते हो। तब उन्हें कहा कि हमें जो बकाया है, वो जमा कर दो। कुछ देर बाद हम मौके पर थे, तब विकेश मेहता वहां पहुंचे और उन्होंने तुरंत ही अएठ हरिमोहन मीणा के साथ मारपीट शुरू कर दी। मेहता ने मारपीट के बाद जबरन दुकान के अंदर ले गए और वहां भी मारपीट की। अएठ मीणा ने भी बताया कि मेहता ने रास्ते में मारपीट के बाद दुकान में ले जाकर अंदर बंद करने की योजना बनाई और अंदर जाकर भी मारपीट की। इस मारपीट में मीणा के खून भी बहने लगा और शर्ट भी फट गया। इस पूरे घटनाक्रम में बीच बचाव कर मामले को शांत कराया। बाद में राजतालाब थाने में जाकर प्रकरण दर्ज कराया। खएठ हरीश ने बताया कि विभाग के अधिकारी जब थाने में थे तब भी विकेश मेहता थाने में आए और अभद्रता की। उन्होंने कहा कि मैं नेता हूं, मालवीया का आदमी हूं। साथ ही जेईएन से कहा कि तुझे तो लोकल ही रहना हैं फिर क्यों धांधली करता है। पूरे मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरूकर दी है। बता दें कि विकेश मेहता पूर्व में कांग्रेस के नेता थे, जिनके पूर्व सीएम अशोक गहलोत से करीबी संबंध थे। वर्तमान में भाजपा सरकार बनने के बाद उन्होंने भाजपा की सदस्य ग्रहण की। पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसके बाद कार्मिकों ने पुलिस के साथ ही भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से भी मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

फोन ऑन करते ही मिली ब्यूटिशियन के हत्यारे की लोकेशन:

मुंबई से नेपाल जा रहा था, स्टेशन पर पुलिस को देख भागा, बाइक से पीछा कर पकड़ा

नमस्ते राजस्थान

जोधपुर जोधपुर ब्यूटीशियन मर्डर केस का मुख्य आरोपी गुलामुद्दीन के पास से गफ्फार नाम की फर्जी कऊ मिली है। पुलिस उसे मुंबई से गिरफ्तार करके कल यानी 8 नवंबर की रात को जोधपुर ले आई है। उससे और पूछताछ की जा रही है। शुक्रवार रात जोधपुर डीसीपी वेस्ट राजर्षि राज वर्मा ने बताया- गुलामुद्दीन वारदात के बाद अहमदाबाद होते हुए मुंबई भाग गया था। इरादा था बिहार की ट्रेन पकड़ कर नेपाल के रास्ते देश छोड़ने का। पुलिस को उसकी लोकेशन मुंबई में मिल चुकी थी। लेकिन वह फोन ऑन नहीं कर रहा था। मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर जैसे ही उनके फोन ऑन किया। पुलिस टीम उसे दबोचने दौड़ी। स्टेशन पर पुलिस देख वह भागा तो उकशफीक खान ने बाइक से पीछा कर दबोच लिया। जोधपुर में 26 अक्टूबर को सरदारपुरा इलाके में ब्यूटी पार्लर चलाने वाली अनीता चौधरी (50) का मर्डर कर दिया गया था। आरोपी गुलामुद्दीन की पत्नी आबेदा ने हत्या का खुलासा कर दिया था। इसके बाद पति गुलामुद्दीन फरार हो गया था। 30 अक्टूबर को अनीता की लाश 6 टुकड़ों में बोरों में 10 फीट गहरे गड् ?ढे में मिली थी। अनीता की हत्या के बाद से 31 अक्टूबर से परिजन धरने पर बैठे हैं।

डीसीपी वेस्ट राजर्षि राज वर्मा ने बताया-

गुलामुद्दीन ने अपना नाम बदलकर गफ्फार रख लिया था। तलाशी में उसके पास गफ्फार नाम की फर्जी कऊ मिली। हत्याकांड की जांच के दौरान पुलिस का कॉल आया तो वह जोधपुर से बस पकड़कर अहमदाबाद (गुजरात) भाग गया था। डीसीपी वेस्ट राजर्षि राज वर्मा ने हत्या के कारणों को लेकर अभी बयान जारी नहीं किया है। उन्होंने बताया- उसके बैग से मुंबई से बिहार जाने का ट्रेन का टिकट भी मिला। वह नेपाल के रास्ते देश से फरार होने वाला था।

गुलामुद्दीन फारूकी (आरोपी दुकानदार) | अनीता चौधरी (मृतका)

पुलिस का कॉल आते ही जोधपुर से भागा

डीसीपी वेस्ट ने बताया- अनीता 26 अक्टूबर को सरदारपुरा से ऑटो में बैठकर गंगाणा इलाके में स्थित गुलामुद्दीन के घर गई थी। ऑटो ड्राइवर से पुलिस ने गुलामुद्दीन के घर का पता लगाया। गुलामुद्दीन को कॉल किया तो वह घबरा गया और जोधपुर रेलवे स्टेशन से बैग खरीदकर जैन ट्रैवल्स की बस से अहमदाबाद चला गया। अहमदाबाद से ट्रेन से मुंबई पहुंचा और अगल-अगल लौज में ठहरकर दिन बिताए। वहां उसने हर जगह गफ्फार नाम की आईडी दी थी। 7 नवंबर को वह ट्रेन से बिहार जाने वाला था। 6 और 7 नवंबर की रात वह मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर ही सोया।

6 दिन से मुंबई में घेरा डालकर बैठी थी पुलिस

गुलामुद्दीन ने अपना मोबाइल जोधपुर एमडी हॉस्पिटल की पार्किंग में अपनी स्कूटी में ही छोड़ दिया था। वह दूसरे मोबाइल का इस्तेमाल कर रहा था। उसके नम्बर पुलिस के हाथ लग गए थे। वह मोबाइल को कुछ मिनट के लिए ऑन कर रहा था। एक बार ऑन करने पर पुलिस को उसके अहमदाबाद में होने की जानकारी मिली। दूसरी बार ऑन किया तो लोकेशन मुंबई में मिली। इसके बाद उसने फोन ऑन नहीं किया। पुलिस को उसकी अगली लोकेशन का पता नहीं चला। ऐसे में लास्ट लोकेशन के आधार पर सीसीटीवी खंगालना शुरू किया गया।

नागौर जाकर सांसद हनुमान बेनीवाल से की मुलाकात

अनीता चौधरी के परिजन शुक्रवार को आरएलपी प्रमुख हनुमान बेनीवाल से मिले। बेनीवाल ने कहा- अनीता चौधरी की निर्मम हत्या की गई है। गुलामुद्दीन पकड़ा गया है, पुलिस को उन सभी बड़े नामों का भी खुलासा करना होगा जिन पर परिजनों ने शक जताया है। बेनीवाल ने कहा- मामले में लापरवाही बरतने वाले सभी अधिकारियों को हटाया जाना चाहिए। परिजन हत्याकांड में नामजद प्रॉपर्टी डीलर तैयब अंसारी की भूमिका का खुलासा करने और गिरफ्तार करने की मांग कर रहे हैं। इसके बाद शुक्रवार रात धरना स्थल (तेजाजी मंदिर, भगत की कोठी, जोधपुर) पर जाट समाज की बैठक हुई।

गुलामुद्दीन की हिस्ट्री खंगाली, आदतन अपराधी

पुलिस ने बताया- गुलामुद्दीन की आपराधिक हिस्ट्री खंगाली है। वह बदमाश प्रवृत्ति का है। उसने लूट के इरादे से पहले भी जहरखुरानी की वारदातें की हैं। उसके खिलाफ अलग-अलग थानों में दर्ज हैं।

क्या है ब्यूटीशियन अनीता चौधरी मर्डर केस

अनीता चौधरी नाम की महिला जोधपुर के सरदारपुरा इलाके के ब्यूटी पार्लर चलाती थी। 26 अक्टूबर की दोपहर वह अपने ब्यूटी पार्लर बंद कर ऑटो से गंगाणा इलाके में जाने के लिए निकली। इसके बाद अनिता का फोन बंद आया। दूसरे दिन अनीता के पति मनमोहन ने उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट सरदारपुरा थाने में दर्ज करवाई थी। पुलिस ने लोकेशन के आधार पर आरोपी गुलामुद्दीन की पत्नी आबेदा को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो आबेदा ने हत्या का खुलासा कर दिया। 30 अक्टूबर की रात पुलिस को गुलामुद्दीन के घर के पास 10 फीट के गड्ढे में 6 टुकड़ों में एक बोरे में भरी अनीता की लाश बरामद की। आबेदा ने बताया कि गुलामुद्दीन पर कर्ज था। अनीता हमेशा गहने पहने रहती थी। उसका मर्डर लूट के इरादे से किया था।

गुलामुद्दीन और उसकी पत्नी आबेदा को आमने-सामने बैठाएगी पुलिस

पुलिस ने गुलामुद्दीन की पत्नी आबेदा परवीन से पूछताछ के लिए 6 दिन का रिमांड और मांगा है। शनिवार को आबिदा और गुलामुद्दीन को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ होगी। मर्डर में अन्य लोगों की भूमिका के बारे में भी पूछताछ की जाएगी। अनीता चौधरी का शव जोधपुर जिला हॉस्पिटल की मॉच्युरी में 10 दिन से है। परिजन व समाज के लोग गिरफ्तारी की मांग पर तेजा मंदिर में धरने पर बैठे हैं। शुक्रवार सुबह गुलामुद्दीन की गिरफ्तारी की जानकारी मिली तो अनीता का पति मनमोहन व बेटा धरना स्थल से चले गए। इससे पहले सरदारपुरा पुलिस ने अनीता के परिजनों को छठी बार तेजा मंदिर में सफीना नोटिस दिया था। लेकिन परिजनों न पोस्टमॉर्टम करवाया और न ही आगे की कार्रवाई में मदद की। आज पुलिस अनीता के शव को उठवाने के मामले में राजस्थान शव का सम्मान विधेयक - 2023 के तहत सख्ती कर सकती है।

आरोपी का मेडिकल कराया गया

जोधपुर पुलिस ने शनिवार को कुड़ी के सरकारी हॉस्पिटल में गुलामुद्दीन का मेडिकल चेकअप कराया गया। इसके बाद उसे महिला थाना पश्चिम ले जाया गया। यहां उससे पूछताछ की जा रही है। यह पूछताछ शुक्रवार रात से जारी है। आज ही आरोपी को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा। पुलिस का कहना है कि मजिस्ट्रेट से आरोपी का रिमांड मांगा जाएगा।

10वें दिन भी नहीं बनी सहमति

अनीता का शव मिलने के बाद 31 अक्टूबर से ही पुलिस उसके परिजनों से शव का पोस्टमॉर्टम करवाने और उसे उठाने के संबंध में बात कर रही है, लेकिन परिजन शव नहीं उठाने पर अड़े हुए है। शुक्रवार को भी पुलिस ने परिजनों से इस संबंध में वार्ता की। शुक्रवार दोपहर बाद में अनीता के पति और बेटा धरना स्थल पर नजर नहीं आए। शाम को हनुमान बेनीवाल के साथ उनकी तस्वीर सामने आई।

फोन ऑन करते ही पकड़ने भागी पुलिस टीम

7 नवंबर को बिहार का टिकट लेने के बाद मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर गुलामुद्दीन ने मोबाइल ऑन किया। लोकेशन ट्रेस होते ही पुलिस टीम (एडीसीपी निशांत भारद्वाज, सीआई मोहम्मद शफीक खान, सीआई शकील अहमद) मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन की तरफ दौड़ पड़े। स्टेशन के चप्पे-चप्पे पर गुलामुद्दीन की तलाश शुरू हुई। पुलिस टीम को स्टेशन पर देख गुलामुद्दीन भाग निकला। सीआई मोहम्मद शफीक खान ने बाइक से उसका पीछा किया और कुछ ही मिनट में दबोच लिया।

उट भजनलाल शर्मा की झुंझुनूं के सुलताना कस्बे में जनसभा:

बोले- झुंझुनूं की हवा इस बार बदली हुई है; भांबू ने कहा-वोट की भीख मांगता हूं

नमस्ते राजस्थान

झुंझुनूं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा झुंझुनूं दौरे पर हैं। इस सीट पर भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र भांबू हैं। शनिवार को सुलताना कस्बे में जनसभा में सीएम भजनलाल दोपहर 1.30 बजे पहुंचे। सभा सुलताना में चिड़ावा रोड स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में चल रही है। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा- झुंझुनूं वीर सपूतों, सैनिकों, किसानों, सेठों और शिक्षितों की धरती है। इस धरती को नमन करता हूं। झुंझुनूं की हवा इस बार बदली सी नजर आने लगी है। 70 साल कांग्रेस ने राज किया। आपको उनसे काम का हिसाब लेने का हक है।

कांग्रेस ने शिलान्यास के झूठे पत्थर लगाए

कांग्रेस ने मालिकों के मुल्क भिखारी बना दिया और भिखारियों को आबाद कर दिया। राजस्थान और झुंझुनूं का भला कौन कर सकता है यह सोचें। हमने 11 महीने में विकास के काम किए हैं। जब एक साल पूरा होगा तो हिसाब देंगे। 70 साल तक कांग्रेस शिलान्यास के झूठे पत्थर लगाते रहे आप उन्हें तराशते रहे। 15 दिसंबर को सरकार ने शपथ ली थी। उसी दिन से काम करना शुरू कर दिया।

कांग्रेस राज में 17 पेपर लीक, हमने 200 से ज्यादा को जेल में डाला

कांग्रेस के शासन में 19 में से 17 पेपर लीक हुए। किसान के बेटे के साथ धोखा हुआ। हमने 200 से ज्यादा पेपर माफिया जेल में डाले। हमने 2 साल का कलेंडर दिया है। जगह निकाली हैं। तय किया है कि कब पेपर होना है, परिणाम किस दिन आना है। कैबिनेट ने 90 हजार वैकेंसी निकाली, हमने मंजूरी दी। 60 हजार चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पद क्या 10 महीने में खाली हो गए। किसान के बेटे को समय पर नौकरी देते तो काम चलता। युवा चिंता न करें, तैयारी करें, और भी पोस्ट निकलेंगी। हम एक साल में एक लाख नौकरी देंगे।

राजेंद्र भांबू ने किया बबलू चौधरी का शुक्रिया

इस दौरान सभा को संबोधित करते हुए प्रत्याशी राजेंद्र भांबू ने कहा- सुलताना हाथीराम की पवित्र धरा है। सीएम पल-पल का फीडबैक ले रहे हैं। वे दूसरी बार झुंझुनूं आए हैं। उनका आभार। झुंझुनूं की प्यासी धरती के लिए उन्होंने यमुना जल समझौता किया। यह बड़ी सौगात है।

ओला परिवार 26वीं बार चुनावी मैदान में

20 साल से झुंझुनूं के विकास की जो योजनाएं बंद पड़ी थीं, वे शुरू हो गई हैं। झुंझुनूं ने परिवार विशेष (ओला) की विरासत को बदलने का ठान लिया है। ओला परिवार आपके बीच 26वीं बार चुनावी मैदान में है। बजट में किए प्रावधान से जिले की जनता गदगद है। मैं 10 साल से लोगों के बीच हूं। पार्टी ने दूसरी बार मुझे प्रत्याशी बनाया। आपसे झोली फैलाकर वोटों की अपील करता हूं। मोदी और भजनलाल के सहयोग से में झुंझुनूं की काया पलट दूंगा। सैनिक और किसान का बेटा आपसे वोट की भीख मांगता है।

बबलू चौधरी का कई बार लिया नाम

राजेंद्र भांबू ने कई बार बबलू चौधरी का नाम लिया। कहा- मैं आश्वस्त करता हूं कि विकास में कमी नहीं आने देंगे। मैं आपके बीच रहूंगा, 24 घंटे तत्पर रहूंगा। आपके मान सम्मान में कमी नहीं आएगी। बबलू चौधरी सहित सभी नेताओं को नमन, सभी ने खूब साथ दिया है। राजेंद्र भांबू और बबलू चौधरी विकास के लिए कटिबद्ध हैं, हम दोनों कसर नहीं छोड़ेंगे। इससे पहले प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने नूर बाग मैदान में बनाए गए हेलिपैड पर सीएम का स्वागत किया गया।

पिछले चुनाव में बागी बन गए थे बबलू चौधरी

बता दें कि भाजपा ने राजेन्द्र भांबू को दूसरी बार झुंझुनूं विधानसभा से प्रत्याशी बनाया है। इससे पहले 2018 में प्रत्याशी बनाया था। 2023 के विधानसभा चुनाव में टिकट कट गया था। उसके बाद भांबू ने बागी होकर चुनाव लड़ा था। उपचुनाव में राजेन्द्र भांबू को प्रत्याशी बनाने पर बबलू चौधरी ने विरोध करते हुए बगावत शुरू कर दी थी। हालांकि बाद में भाजपा आलाकमान ने बबलू को मनाकर डैमेज कंट्रोल कर लिया था। वहीं कांग्रेस से सांसद बृजेन्द्र ओला के पुत्र अमित ओला मैदान में हैं। पूर्व मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा के निर्दलीय चुनाव लड़ने से मुकाबला त्रिकोणीय है।

दिल्ली की महिला से जयपुर के होटल में रेप

पीड़ित महिला ने बजाज नगर थाना पुलिस को बताई आप बीती, होटल में मीटिंग के बहाने बुला कर किया रेप

जयपुर जयपुर के बजाज नगर थाना पुलिस ने दिल्ली निवासी एक महिला की शिकायत पर उसके साथ रेप होने का मामला दर्ज किया हैं। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि वह 7 नम्बर को होटल रैड फॉक्स में शाम को 9 बजे पहुंची जहां पर आरोपी डीके शर्मा ने उस के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने इस का विरोध किया लेकिन वह नहीं माना। जिस पर पीड़िता की ओर से होटल के बाहर आने पर पुलिस को शिकायत दी गई। बजाज नगर थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर डीके शर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली हैं। जांच अधिकारी सीआई ममता मीणा ने बताया कि दिल्ली की महिला जयपुर में बिजनेस के सम्बन्ध में मीटिंग करने के लिए आई थी। जयपुर में महिला की मीटिंग डीके शर्मा नाम के व्यक्ति के साथ होनी थी। रिपोर्ट के अनुसार डीके शर्मा ने पीड़ित महिला को जेएलएन मार्ग स्थित होटल रैड फॉक्स में बुलाया जहां पर पर महिला करीब 9 बजे पहुंची और होटल से रात 11.50 पर बाहर निकली। महिला ने शिकायत दी है कि उस के साथ होटल में डीके शर्मा ने रेप किया। वह किस को यह बात बताने पर मारने की धमकी भी दी। पीड़िता की शिकायत पर डीके के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं। वहीं महिला का मेडिकल कराया गया महिला के जल्द 164 के बयान दर्ज कराए जाएंगे।

घर में आग लगने से जिंदा जला युवक:

कमरे में सो रहा था, पट्टियां टूटकर गिरी; 7 दिन पहले ही लौटा था

नमस्ते राजस्थान

राजसमंद राजसमंद में घर में आग लगने से सो रहा युवक जिंदा जल गया। आग इतनी भीषण थी कि कमरे की पट्टियां टूटकर गिर गई। युवक 7 दिन पहले ही घर लौटा था। घटना खमनोर इलाके के सिरोही की भागल गांव में शुक्रवार रात 10.30 बजे हुई। थानाधिकारी कमलेंद्र सिंह ने बताया कि आग में लोकेश सिंह (26) की जलने से मौत हो गई। लोकेश सूरत में एक दुकान पर जॉब करता था। तीन साल पहले लोकेश की शादी हो चुकी थी, लेकिन वह अकेला रहता था। पत्नी पीहर रहती है। लोकेश सिंह के पिता के गांव में दो मकान है, जिसमें एक में परिवार के अन्य सदस्य सो रहे थे, जबकि दूसरे में लोकेश सिंह था। दो मंजिला मकान में कुल चार कमरे थे, जिसमें तीन कमरों में मवेशियों का चारा भरा था। एक कमरे में लोकेश सिंह था। आग से कमरों की पट्टियां टूट गई, जिससे ऊपर की मंजिल में मवेशियों का चारा भी जल गया। आग की सूचना पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। थानाधिकारी के अनुसार आग किसी लापरवाही से लगी है या कोई ओर वजह से पुलिस जांच कर रही है।

अमेरिका में एक सदी से अधिक समय बाद डोनाल्ड ट्रंप ने कीर्तिमान को दोहराया है। पहले राष्ट्रपति बने, दूसरी बार हारे और फिर तीसरी बार जीते। लगातार तीन टर्म तक एक दल का राष्ट्रपति उम्मीदवार बने रहना अमेरिकी राजनीति के लिए बड़ी बात है। निखत बिजनेसमैन से राजनेता बने डोनाल्ड ट्रंप की इस ऐतिहासिक सफलता में उनकी साफगोई, मुद्दों पर स्पष्टता और धुर राष्ट्रवाद ने अहम भूमिका निभाई। ट्रंप ने मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन की डेमोक्रेट सरकार की विफलता, अमेरिकी अर्थव्यवस्था को सुधारने, महंगाई से राहत दिलाने, रूस व यूक्रेन जंग खत्म करने, इजराइल का हमास व हिज्बुल्ला के साथ संघर्ष को समाप्त करने, चीन के साथ ट्रेड नियमों पर कड़ा रुख अपनाने, नेटो के नाम पर बर्बाद हो रहे अमेरिकी धन को बचाने, अवैध घुसपैठियों को निकालने जैसे सीधे व स्पष्ट वादे के दम पर शानदार बहुमत के साथ जीत दर्ज की। डेमोक्रेट उम्मीदवार भारतीय मूल की कमला हैरिस गर्भपात के अधिकार व पर्यावरण जैसे मुद्दों में ही उलझी रहीं। अब जब जनवरी में ट्रंप अमेरिका की कमान संभालेंगे, उसके बाद देखने वाली बात होगी कि वे अपने वादे कैसे पूरे करते हैं? क्या वे वैश्वीकारण व मुक्त बाजारवाद के दौर में संरक्षणवादी नजरिया अमेरिका फर्स्ट को आगे बढ़ा पाएंगे? क्या जंग खत्म करा पाएंगे? इन्हीं मुद्दों का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

दूसरी पारी में ट्रंप का लिटमस टेस्ट

विश्लेषण

प्रभात कुमार राय
विदेश मामलों के जानकार

डोनाल्ड ट्रंप वर्ष 2016 में राष्ट्रपति पद का चुनाव जीते और चार वर्ष बाद वर्ष 2020 में हार गए। पराजित हो जाने के पश्चात ट्रंप व्हाइट हाउस के प्राइवेट डायनिंग रूम में बैठकर अपने समर्थकों का उपद्रवी तमाशा टीवी पर लाइव देखते रहे। अपनी उत्तेजक तक़रीर में डोनाल्ड ट्रंप ने दावा पेश किया कि राष्ट्रपति चुनाव में उनके साथ जबरदस्त फ्रॉड किया गया। ट्रंप पर हिंसक भीड़ को उकसाने का संगीन इल्जाम आयाद किया गया, किंतु अमेरिकन सीनेट ने उनको इस इल्जाम से बाकायदा बरी कर दिया। यक्ष प्रश्न है कि ट्रंप एक दफा फिर से राष्ट्रपति का ओहदा संभाल लेने के पश्चात आखिरकार कौन सी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय नीतियों का अनुसरण करेंगे?

अमेरिका के डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति ग्रोवर क्लीवलैंड के बाद रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप ने एक चुनाव में पराजित होकर फिर से चुनाव जीतने का ऐतिहासिक कारनामा एक बार फिर से दोहरा दिया है। ग्रोवर क्लीवलैंड सन् 1885 से 1889 तक अमेरिका के प्रेसिडेंट रहे थे। इसके बाद राष्ट्रपति चुनाव में उनकी पराजय हो गई। इस पराजय के पश्चात एक दफा फिर से क्लीवलैंड सन् 1893 से लेकर सन् 1897 तक पुनः अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए। हिंसक कैपिटल हिल में कलंकित हुए डोनाल्ड ट्रंप फिर से अमेरिका के 50 राज्यों की 538 सीटों में से 295 सीटों को हासिल करके राष्ट्रपति पद का चुनाव प्रचंड बहुमत से जीत गए। अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव जीतने के लिए उम्मीदवार को 270 सीटों की आवश्यकता होती है। स्मरण कीजिए सन् 2020 का वर्ष जब डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में पराजित हो गए थे। पराजित होने के बाद डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों की एक बड़ी हिंसक भीड़ पुलिस के बैरियर तोड़कर कैपिटल हिल नामक स्थान पर स्थित संसद भवन में घुस गई थी। अराजक हिंसक भीड़ में अनेक लोगों के पास घातक हथियार विद्यमान थे। कैपिटल हिल जहां से कुछ वक्त पहले अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव के आधिकारिक नतीजे का ऐलान किया गया था।

हिंसक भीड़ को उकसाने का लगा इल्जाम

कैपिटल हिल में घुसते ही अराजक भीड़ ने सांसदों को डराना-धमकाना शुरू किया। अमेरिकी सांसदों और उपराष्ट्रपति माइक पेंस को कड़े सुरक्षा घेरे में संसद से बाहर निकाला गया। उपद्रवी हिंसक भीड़ ने तकरीबन चार घंटे तक अमेरिकन संसद को घेरे रखा था। जिस शख्स के लिए संसद में विकट दंगा अंजाम दिया गया था, उसका नाम डोनाल्ड ट्रंप है। डोनाल्ड ट्रंप सन् 2016 में राष्ट्रपति पद का चुनाव जीते और चार वर्ष बाद सन् 2020 में चुनाव पराजित हो गए। चुनाव में पराजित हो जाने के पश्चात ट्रंप व्हाइट हाउस के प्राइवेट डायनिंग रूम में बैठकर अपने समर्थकों का उपद्रवी तमाशा टीवी पर लाइव देखते रहे। वस्तुतः ट्रंप के उत्तेजक भाषण के तत्पश्चात अराजक हिंसा प्रारंभ हुई। अपनी उत्तेजक तक़रीर में डोनाल्ड ट्रंप ने दावा पेश किया कि राष्ट्रपति चुनाव में उनके साथ जबरदस्त फ्रॉड किया गया। सन् 2021 में कैपिटल हिल दंगे के बाद ट्रंप पर हिंसक भीड़ को उकसाने का संगीन इल्जाम आयाद किया गया, किंतु रिपब्लिकन पार्टी की बहुमत वाली अमेरिकन सीनेट ने उनको इस इल्जाम से बाकायदा बरी कर दिया। इस वारदात के लगभग चार साल व्यतीत हो जाने के बाद यक्ष प्रश्न है कि डोनाल्ड ट्रंप एक दफा फिर से राष्ट्रपति का ओहदा संभाल लेने के पश्चात आखिरकार कौन सी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय नीतियों का अनुसरण करेंगे?

अमेरिका के न्यूयॉर्क नगर में 14 जून 1946 को डोनाल्ड ट्रंप

का जन्म एक अमीर परिवार में हुआ था। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' का राष्ट्रवादी नारा पुनः बुलंद करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार के अभियान का आगाज़ किया। ट्रंप के राजनीतिक चरित्र का गहन विश्लेषण अंजाम देकर ही यह समझा जा सकता है कि दूसरी बार राष्ट्रपति के रूप में आने वाले भविष्य में किस तरह की गृह नीति और विदेश नीति का अनुसरण कर सकते हैं।

'अमेरिका फर्स्ट' का डंका बजाया

राष्ट्रपति पद पर आसीन होकर अपने विगत कार्यकाल में डोनाल्ड ट्रंप ने 'अमेरिका फर्स्ट' की विदेश नीति का डंका बजाया था। पेरिस जलवायु समझौते और ईरान परमाणु समझौते को डोनाल्ड ट्रंप ने निरस्त करके अमेरिका को इन समझौतों से बाकायदा बाहर कर लिया था। राष्ट्रपति के विगत कार्यकाल में उन्होंने नॉर्थ कोरिया के तानाशाह राष्ट्रपति किम जोंग के साथ बाकायदा मुलाकात की और राष्ट्रपति पुतिन के साथ दोस्ती निभाई। अमेरिकी राजनीति के प्रमुख जानकार जेरमी पीटर्स ने अपनी किताब 'इमरजेंसी' में लिखा कि बड़े अमीर कारोबारी डोनाल्ड ट्रंप का वस्तुतः राजनीतिज्ञ चरित्र नहीं होना ही, उनका सबसे बड़ा कामयाब हथियार बना हुआ है। जिस तरह की राजनीतिक बयानबाजी डोनाल्ड ट्रंप करते रहे हैं, इस स्तर के राजनीतिक बयानों को यदि कोई अन्य राजनेता देता तो शायद उसकी राजनीति का अंत हो जाता। दरअसल ट्रंप को राजनीति के बारे में कदापि कोई गहरी जानकारी नहीं रही। वह जैसी तकरीरें करते हैं, उनमें वह बिना किसी लाग लपेट और बिना किसी खौफ़ के अपनी बातों को पेश कर देते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने आक्रामक तेवरों से सबसे पहले अमेरिका के रूढ़िवादी वोटरों को अपने पक्ष में कर लिया। ट्रंप ने गर्भपात जैसे विवादित विषयों पर बेबाक बयान दिए। ऐसे बयान तो जार्ज बुश और मिट रोमन जैसे दिग्गज रिपब्लिकन लीडर भी दबी आवाज में नहीं दे सके। डोनाल्ड ट्रंप ने फरमाया कि वह ऐसे जजों की नियुक्ति कर देंगे, जोकि गर्भपात के तमाम फैसलों को उलट कर रख देंगे। बाद में उन्होंने ऐसा ही कारनामा अंजाम दिया।

मुस्लिम वोटरों का समर्थन मिला

इस कारनामे से रिपब्लिकन पार्टी के समर्थक करोड़ों रूढ़िवादी कैथोलिक वोटर उनके पक्ष में एकजुट हो गए। सन् 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में पराजित होने के बावजूद कोई भी शीर्ष रिपब्लिकन लीडर डोनाल्ड ट्रंप को कड़ी चुनौती नहीं पेश कर पाया। रिपब्लिकन पार्टी की नेतृत्वकारी पातों में अपने विरोधी लीडरों को एक-एक करके परास्त करने के बाद डोनाल्ड ट्रंप सन् 2024 में फिर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बन गए और अंततः राष्ट्रपति पद का चुनाव वह जीत भी गए। राष्ट्रपति के तौर पर विगत कार्यकाल में ट्रंप की मुस्लिम विरोधी छवि प्रबल बनी रही थी, लेकिन इस दफा के राष्ट्रपति चुनाव में उन्होंने अमेरिका में बसने वाले मुसलमानों का दिल जीत लिया और उनको भारी संख्या में मुस्लिम वोटरों का समर्थन हासिल हुआ, क्योंकि उन्होंने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान अपनी तकरीरों में कहा था कि वह इजराइल को विवश करके गाजा युद्ध को समाप्त करके ही दम लेंगे। डोनाल्ड ट्रंप की प्रतिद्वंद्वी डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस गाजा और यूक्रेन युद्ध के ज्वलंत प्रश्नों पर प्रायः मौन ही साधे रहीं। यह तो भविष्य बताएगा कि डोनाल्ड ट्रंप गाजा की सरजमीं पर एक वर्ष से निरंतर जारी नृशंस युद्ध को किस युक्ति से खत्म करने का कितना प्रयास करेंगे।

युद्ध विरोधी तकरीर ने पहुंचाया फायदा

डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी चुनाव तकरीरों में कहा कि गाजा और यूक्रेन युद्धों में अमेरिका की बाइडन सरकार ने बेतहाशा दौलत को बर्बाद किया है और यहां तक कि अमेरिका को आर्थिक दिवालियापन के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। उल्लेखनीय है कि इजरायल द्वारा फिलीस्तीनियों के विरुद्ध जारी आक्रमणों के विरुद्ध और युद्ध में इजराइल को अमेरिकी सैन्य मदद के विरोध में अमेरिका की तमाम यूनिवर्सिटियों के छात्रों ने जो बाइडन सरकार के विरोध में जबरदस्त प्रदर्शन जारी रखा। डोनाल्ड ट्रंप की युद्ध विरोधी तकरीरों के कारण डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थक रहे मध्यवर्गीय छात्रों ने इस दफा डोनाल्ड ट्रंप को प्रबल समर्थन प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति के तौर पर विगत कार्यकाल में इजराइल के घनघोर समर्थक के रूप में अपना किरदार निभाया था। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित अंतरराष्ट्रीय शहर जेरूसलम को इजराइल का अभिन्न अंग करार दिया और अमेरिकन दूतावास को इजरायल की राजधानी तेल अबीब से स्थानांतरित करके जेरूसलम में स्थापित किया। अब्राहम पैक्ट के माध्यम से इजरायल और अमेरिका प्रभाव वाले अरब देशों के मध्य सुलहनामा कराने की जबरदस्त कोशिश डोनाल्ड ट्रंप ने अंजाम दी थी। अब देखना है कि राष्ट्रपति ट्रंप अपने इस कार्यकाल में युद्ध समाप्त करने की अपनी कोशिश में बेंजामिन नेतन्याहू जैसे कट्टरपंथी राजनेता से किस तरह से निपटते हैं। सर्वविदित है कि विगत दौर में डोनाल्ड ट्रंप और ब्लादिमीर पुतिन के मध्य एक सांठगांठ कायम बनी रही।

जुमलेबाजी न बन जाएं चुनावी वादे

यहां तक कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के दौरान व्लादिमीर पुतिन पर यह इल्जाम आयद किया गया कि उसने ट्रंप को विजय दिलाने के लिए रूस की हुकूमत द्वारा सब हथकंडे अपनाए। चुनाव प्रचार के दौरान डोनाल्ड ट्रंप यूक्रेन-रूस युद्ध में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की नकारात्मक भूमिका को लेकर अनेक कटु प्रश्न खड़े करते रहे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वाल्दोमीर जेलेंस्की के व्यक्तित्व को मसखरा निरूपित करके भी डोनाल्ड ट्रंप अनेक तंज कसते रहे। अपने चुनाव अभियान के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने दावा पेश किया कि वह यूक्रेन-रूस युद्ध को समाप्त करा देंगे। महंगाई और बेरोजगारी से संत्रस्त अमेरिकी जनमानस ने युद्धों के विरुद्ध वस्तुतः ट्रंप को राष्ट्रपति निर्वाचित किया है। अमेरिकन राजनीति के नव साम्राज्यवादी कॉरपोरेट चरित्र को ध्यान में रखते हुए अभी नहीं कहा जा सकता कि डोनाल्ड ट्रंप गाजा और यूक्रेन युद्धों को समाप्त कराने के चुनावी वादों पर खरे उतरेंगे अथवा नहीं उतरेंगे। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप के चुनावी वादे कहीं चुनावी जुमलेबाजी बनकर तो नहीं रह जाएंगे। अत्यंत गहराई से समझा जाए तो जो बाइडन प्रशासन की आर्थिक मोर्चे पर घोर असफलताओं ने निरंकुश प्रवृति के डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति पद पर आसीन किया है। अस्वस्थ जो बाइडन के स्थान पर कमला हैरिस को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार मनोनीत करने में डेमोक्रेटिक पार्टी ने काफी देरी अंजाम दी। इस राजनीतिक देरी का पूरा फायदा डोनाल्ड ट्रंप को हासिल हुआ। जहां तक भारत का प्रश्न है डोनाल्ड ट्रंप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति परम मित्रता का भाव प्रदर्शित करते रहे हैं।

भारत के पक्ष में सिद्ध हो सकते हैं ट्रंप

भारत की कस्टम ड्यूटी पर भारत सरकार की आलोचना करने में भी डोनाल्ड ट्रंप अग्रणी रहे। पाकिस्तान के हुकूमत के विरुद्ध डोनाल्ड ट्रंप ने अपने विगत कार्यकाल में बड़ी तल्ख टिप्पणियां कीं। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान को प्रदान की जाने वाली अमेरिकी सहायता राशि को घटाकर बहुत कम कर दिया था। उनका कहना था कि पाकिस्तान हुकूमत ने अधिकतर अमेरिकन सैन्य और आर्थिक सहायता का इस्तेमाल वैश्विक जिहादी आतंकवाद का परिपोषण करने में लगा दिया । चीन के विषय में ट्रंप की बड़ी बेबाक राय रही है। चीन के विस्तारवाद के विरुद्ध निर्मित किए गए क्वाड मोर्चे पर डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बन जाने से काफी मजबूती आ जाएगी। कुल मिलाकर अगर संक्षेप में विचार करें कि ट्रंप का अमेरिका का राष्ट्रपति निर्वाचित हो जाना भारत के पक्ष में सिद्ध हो सकता है।

इंडो-यूएस ट्रेड संबंधों को मिलेगी मजबूती

अर्थव्यवस्था

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

दुनिया के सबसे सफल माने जाने वाले लोकतंत्र अमेरिका के चार साल बाद रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप फिर से राष्ट्रपति बन गए हैं। उन्होंने डेमोक्रेटिक भारतीय मूल की उम्मीदवार कमला हैरिस को पराजित किया है। अमेरिका एक वैश्विक आर्थिक शक्ति है, इसलिए यहां के चुनाव पर दुनिया नजरें टिकाए रखती है। क्योंकि जो भी अमेरिका का राष्ट्रपति चुना जाता है और वह अपनी पार्टी के मुताबिक नीतियों को अमल में लाता है तो विश्व प्रभावित हुए बिना नहीं रहता है। स्वाभाविक है भारत भी इस प्रभाव क्षेत्र का हिस्सा बनता है। भारत इस समय न केवल आर्थिक रूप से मजबूत है, बल्कि रक्षा, स्वास्थ्य और तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होता देश भी है। अतएव अमेरिका का शुभचिंतक होना भारत के लिए विदेश नीति से जुड़े मुद्दों के नजरिये से महत्वपूर्ण है। ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबंध मैत्रीपूर्ण हैं, इसी कारण ट्रंप के पिछले कार्यकाल में भारत और अमेरिका के संबंधों को नए आयाम मिले थे। इनमें आतंकवाद और घुसपैठ के विरुद्ध मिला समर्थन तो रहा ही है, चीन और पाकिस्तान पर भी ट्रंप नकेल कसते रहे हैं। हालांकि उन्होंने यह चुनाव ऐसे समय में जीता है, जब दुनिया में दो बड़े युद्ध सालों से चल रहे हैं। बावजूद अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन और अमेरिका द्वारा अनुशासित वैश्विक संस्थाएं इन युद्धों को रोकने में कोई भूमिका रेखांकित नहीं कर पाईं। यदि ये युद्ध नहीं रोके गए तो दुनिया तीसरे विश्वयुद्ध की ओर भी बढ़ सकती है ?

राजनीतिक ध्रुवीकरण से जीत

संयुक्त राज्य अमेरिका की बागडोर एक बार फिर से ट्रंप के हाथ में है। ट्रंप की जीत आसान नहीं मानी जा रही थी। लेकिन उन्होंने दक्षिणपंथी नीतियों को अमल में लाने के भाषण देकर अमेरिकी मतदाताओं को ध्रुवीकृत करने में सफलता हासिल कर ली। इसीलिए ट्रंप की जीत को अमेरिका में व्याप्त असंतोष की उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। ऐसी आशंकाएं भी जताई जा रही हैं कि ट्रंप की इस जीत से अमेरिका में नस्लीयता बढ़ेगी और 'अमेरिका प्रथम' का दृष्टिकोण लेकर यदि ट्रंप आगे बढ़ते हैं तो समाज के वर्तमान मुद्दों के संदर्भ में ध्रुवीकरण बढ़ सकता है। क्योंकि ट्रंप को मिली जीत भी राजनीतिक ध्रुवीकरण का परिणाम है। ट्रंप ने जीत के साथ ही कह दिया है कि मैक्सिको की सीमा पर दीवार उठाई जाएगी और एक करोड़ घुपैठियों को बाहर किया जाएगा। अपने पिछले कार्यकाल में भी ट्रंप इस दिशा में काम कर चुके हैं।

भारतीय नीति का समर्थन

ट्रंप की यह नीति भारत की उस नीति का समर्थन है, जिसके तहत वह बांग्लादेश और म्यांमार से अवैध घुसपैठियों को बाहर करने की निर्णायक कानूनी लड़ाई लड़ रहा है। ट्रंप सोशल मीडिया पर बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्प संख्यकों पर हो रहे हमले और अत्याचार पर भी कड़ा रुख जता चुके हैं। ट्रंप के पिछले कार्यकाल की उदार नीतियों का ही परिणाम था कि भारत आई-2 और यू-2 अर्थात चार देश भारत, इजरायल, अरब-अमीरात और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा गठित

नया समूह, इसे आर्थिक सहयोग के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच कहा जाता है। इसके अंतर्गत व्यापार, जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपाय, ऊर्जा सहयोग और अन्य महत्वपूर्ण साझा हितों पर आपसी तालमेल बनाए जाता है, जिससे इस समूहों के देशों का हित सुरक्षित हो। इसी समूह के अंतर्गत नई दिल्ली और वाशिंगटन यूरोप में समुद्री मार्ग से आवाजाही के लिए एक जहाजी गलियारा भी बनाने में लगे हैं। यह भारत से आरंभ होकर पश्चिम एशिया से गुजरता हुआ अमेरिका तक पहुंचेगा। चीन हिंद महासागर में समुद्री गलियारे को लेकर निरंतर हस्तक्षेप करता रहा है, ऐसे में यह गलियारा बन जाता है तो चीन का समुद्री जल मार्गों में दखल कम होगा। चीन के प्रति ट्रंप का रुख पहले भी सख्त रहा है। इसीलिए लगता है, ट्रंप इस गलियारे को अस्तित्व में लाने की दृष्टि से निर्णायक पहल करेंगे। अतएव इस नजरिए से ट्रंप की जीत भारत के लिए हितकारी उपलब्धि है। ऐसा भी माना जा रहा है कि ट्रंप उन देशों पर शुल्क और आयात प्रतिबंध लगाएंगे, जिनके बारे में उन्हें आशंका है कि ये देश अमेरिकी हितों के शुभचिंतक नहीं हैं। यदि ये उपाय संभव हुए तो भारतीय वस्तुओं के निर्यात के लिए नए बाजार खुल सकते हैं। बार्कलेज पीएलसी ने ट्रंप की जीत के बाद एक शोध रिपोर्ट के आधार पर कहा है कि व्यापार नीति के लिहाज से ट्रंप एशिया के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। अनुमान है कि ट्रंप के शुल्क प्रस्ताव चीन के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 2 प्रतिशत की कमी लाएंगे और क्षेत्र की बाकी अधिक खुली अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव डालेंगे। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत, इंडोनेशिया और फिलिपींस सहित ऐसी अर्थव्यस्थाएं उच्च शुल्क के प्रति कम संवेदनशील होंगी, जो घरेलू बाजार पर अधिक निर्भर हैं। ऐसा भी अंदाजा है कि ट्रंप भारत के मित्र होने के कारण भारत में स्थित अमेरिकी कंपनियों में बड़ा निवेश करने के रास्ते खोलेंगे। इसलिए कुल मिलाकर ट्रंप की जीत को भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी सकारात्मक घटना मानी जा रही है। भारत अमेरिका को वाहन, कपड़ा और दवाएं ऊंची सीमा शुल्क चुकाकर निर्यात कर रहा है। अमेरिका भारत का इस समय सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। ट्रंप ने संरक्षणवादी व्यापार को सुरक्षित रखने के उपाय किए तो भारत के निर्यात पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

भारतीय छात्रों को ग्रीन कार्ड

ट्रंप ने अमेरिका में स्नातक कर रहे भारतीय छात्रों को ग्रीन कार्ड देने का वादा किया है। इस आधार पर पांच लाख भारतीय छात्रों को अमेरिका में प्रवेश, नौकरी या अन्य काम करने का अधिकार मिल सकता है। ट्रंप अमेरिका में छिपे बैठे खालिस्तानी आतंकी पन्नू और अन्य अपराधियों पर भी लगाम लगा सकते हैं। ट्रंप ने पिछले कार्यकाल में पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य और आर्थिक प्रतिबंध लगाए थे। बाइडेन के कार्यकाल में ये शिथिल रहे। यदि ट्रंप इन्हें सक्रिय करते हैं तो पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

2020 में जब चीन और भारत के बीच लद्दाख के गलबान क्षेत्र में सैन्य झड़पें हुई थीं, तब ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से दोनों देशों के बीच समझौते के लिए मध्यस्थता करने की बात कही थी। लेकिन भारत की बड़ी चिंता ईरान को लेकर हो सकती है। भारत ईरान में चाबहार बंदरगाह बना रहा है। इसमें अरबों रुपये खर्च होंगे। ये बंदरगाह बन जाता है तो भारत को ईरान से तेल आयात करने में सुविधा रहेगी। ट्रंप ईरान पर नए सिरे से प्रतिबंधों पर भी फैसला ले सकते हैं। हालांकि इस समय भारत एक बड़ी आर्थिक और भूराजनीतिक शक्ति है और उसकी इस शक्ति का लोहा मुस्लिम देशों समेत पूरी दुनिया मान रही है। इन्हीं ताकतों का परिणाम है कि चीन का रुख बदला है और दोनों देश सीमा से सैनिक पीछे हटा रहे हैं और भारत-चीन सीमा पर शांति बहाल हो रही है।

भारतीय हितों के कितना अनुकूल होंगे ट्रंप

दो टूक

अरविंद जयतिलक
वरिष्ठ स्तंभकार

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के नेता डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर सियासी जंग जीत ली है। ट्रंप की जीत इस मायने में ज्यादा महत्वपूर्ण है कि अमेरिका में ऐसा सिर्फ दूसरी बार घटित हुआ है जब कोई राष्ट्रपति एक चुनाव हारने के बाद पुनः चार वर्ष बाद सत्ता की चौखट को लांघा है। यह जीत इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि रिपब्लिकन पार्टी ने सीनेट में भी बहुमत हासिल की है। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने के लिए आवश्यक 270 वोटों से भी अधिक मत हासिल कर अपनी लोकप्रियता को रेखांकित किया है। ट्रंप को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि वे भारत-अमेरिका संबंधों को और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने को उत्सुक हैं। डोनाल्ड ट्रंप और नरेंद्र मोदी के बीच बेहतरीन दोस्ती है। दोनों नेताओं ने वैश्विक मंचों के जरिए इस दोस्ती को सार्वजनिक भी किया है। अब जब डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार अमेरिकी सत्ता की कमान थामने जा रहे हैं तो ऐसे में भारतीय हितों की कसौटी पर उनके खरा उतरने को लेकर बहस होना लाजिमी है।

मजबूत होंगे दोनों देशों में रिश्ते

वैसे उनके पहले कार्यकाल को देखें तो आभास होता है कि दोनों देशों के बीच सामरिक और कारोबारी रिश्ते मजबूत होंगे। देखें तो इसका संकेत डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव प्रचार के दौरान ही मिलना शुरू हो गया था। उन्होंने भारत के साथ रिश्ते मजबूत करने के साथ ही अपनी प्राथमिकता में अमेरिका को पुनः महान बनाने की संकल्पना जाहिर की है। उन्होंने अमेरिका में मुस्लिम माइग्रेशन को अहम खतरा मानते हुए घुसपैठ के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की है। उनका अवैध प्रवास का मुद्दा जनता से कनेक्ट कर गया। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान दो टूक कहा कि अमेरिकी नागरिकों की गाढ़ी कमाई का हिस्सा अवैध प्रवासियों पर खर्च नहीं होने देंगे। उन्होंने वादा किया कि अगर वे चुनाव जीतते हैं तो अवैध प्रवासियों को अमेरिका से बाहर का रास्ता दिखाएंगे। उन्होने राष्ट्रवाद को हथियार बनाकर चुनाव लड़ा और कामयाब रहे। अब उन्हें अपने किए गए वादे पर खरा उतरने की चुनौती होगी। गौर करें तो अवैध घुसपैठ के मुद्दे पर ट्रंप और मोदी की सोच एक जैसी है। जहां ट्रंप अमेरिका में अवैध घुसपैठ रोकने के लिए मैक्सिको से लगी सीमा पर दीवार बना रहे हैं वहीं मोदी अवैध घुसपैठ से निपटने के लिए सीएए और एनआरसी जैसी पॉलिसी को धार दे रहे हैं। अगर भारत समान नागरिक संहिता की दिशा में आगे बढ़ता है तो उम्मीद की जानी चाहिए कि बाइडन प्रशासन के मुकाबले ट्रंप प्रशासन का जोरदार समर्थन हासिल होगा। अगर डोनाल्ड ट्रंप किए गए वादे के मुताबिक अवैध घुसपैठ और आतंकवाद पर आक्रामक रुख अख्तियार करते हैं तो यह भारत के लिए अनुकूल होगा। ऐसा इसलिए कि भारत भी इस्लामिक आतंकवाद और घुसपैठ जैसी खतरनाक समस्याओं से जूझ रहा है।

घुसपैठ के खिलाफ सख्त रुख

ऐसे में भारत भी अमेरिका की तर्ज पर पाकिस्तान

प्रायोजित आतंकवाद और बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ सख्त रुख अख्तियार करेगा। फिर ट्रंप प्रशासन बाइडन प्रशासन की तरह मानवाधिकार का अनर्गल सवाल उठाकर भारत की घेराबंदी नहीं करेगा। ऐसा इसलिए कि ट्रंप ने पहले कार्यकाल में पाकिस्तान को दी जाने वाली अमेरिकी आर्थिक मदद का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों पर खर्च करने के कारण कई आर्थिक प्रतिबंध थोपे थे। आज भी पाकिस्तान को लेकर उनका नजरिया वैसा ही है। इसीलिए ट्रंप के जीत से पाकिस्तान सहमा हुआ है। उसे डर है कि बाइडन सरकार की तरह अब उसे आर्थिक मदद मिलना आसान नहीं होगा। पाकिस्तान की तरह चीन भी ट्रंप की वापसी से खुश नहीं है। इसलिए कि ट्रंप चीन के विस्तारवादी नीति के खिलाफ रहे हैं। उन्होंने पहले कालखंड में क्वॉड को मजबूती देते हुए चीन को कड़ी चुनौती पेश की थी। तब चीन चिढ़ गया था। माना जा रहा है कि चीन के बढ़ते आर्थिक दबदबे को रोकने के लिए ट्रंप सरकार उसके माल पर ज्यादा से ज्यादा इंपोर्ट ड्यूटी लगा सकता है। वे पहले कार्यकाल में भी इस नीति को आजमा चुके हैं। अगर ऐसा हुआ तो यह स्थिति भारत के अनुकूल होगी। चीन के मुकाबले भारत में निवेश बढ़ेगा। लेकिन ध्यान देना होगा कि भारत में अमेरिकी उत्पादों पर लगने वाले टैरिफ से ट्रंप सहमत नहीं हैं। याद होगा उन्होंने भारत से स्टील और एल्यूमिनियम के आयात पर ड्यूटी लगा दी थी। वे चाहते हैं कि भारत के कई ड्यूटी फ्री उत्पाद टैक्स के दायरे में हों। समझना होगा कि डोनाल्ड ट्रंप 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के नारे के साथ सत्ता में लौट रहे हैं। ऐसे में भारत के लिए उनकी अमेरिका केंद्रित नीतियों से तालमेल बिठाना आसान नहीं होगा। लेकिन ट्रंप भी अच्छी तरह अवगत हैं कि भारत दुनिया का विशाल बाजार है। भारत को नाराज करके अपनी आर्थिक ताकत को मजबूत नहीं किया जा सकता।

गौर करें तो विगत कुछ वर्षों से भारत और कनाडा के रिश्तों में तल्खी बढ़ी है। हालात इस तरह खराब हुए कि दोनों देशों ने अपने-अपने राजनयिकों को वापस बुला लिया है। इस तनाव के लिए मुख्य रूप से खालिस्तानी आतंकी और समर्थक जिम्मेदार हैं। इन्हें कनाडा की जस्टिन टुडो सरकार का समर्थन और संरक्षण हासिल है। अब डोनाल्ड ट्रंप की सत्ता में वापसी के बाद उम्मीद जगी है कि गुरुपतवंत सिंह जैसे आतंकी के खिलाफ कार्रवाई होगी। भारत की कोशिश होगी कि न सिर्फ खालिस्तानी आतंकी गुरुपतवंत सिंह के खिलाफ ठोस कार्रवाई हो बल्कि टुडो सरकार की भी बांह मरोड़ी जाए।

अप्रवासियों को लेकर ट्रंप सख्त

ट्रंप सरकार ऐसा इसलिए कर सकती है कि टुडो सरकार की नीतियां रिपब्लिकन नीतियों से बिल्कुल ही मेल नहीं खाती हैं। ऐसे में उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी अपने मित्र ट्रंप के जरिए कनाडा सरकार पर दबाव बना सकते हैं। यहां ध्यान देना होगा कि ट्रंप की नीतियां अप्रवासियों को लेकर बेहद सख्त रही हैं। उनके पहले कार्यकाल में भारतीय पेशेवरों को अमेरिका में काम करने के लिए मिलने वाले एच वनबी वीजा लेने में काफी दिक्कतें आई थी। ऐसे में भारतीय पेशेवरों के लिए भी अमेरिका में रोजगार पाना आसान नहीं होगा। इसके लिए भारत सरकार को ट्रंप प्रशासन से ठीकठाक समन्वय स्थापित करना होगा। ऐसा इसलिए कि अमेरिका में बेरोजगारी और महंगाई चरम पर है। ट्रंप ने चुनाव के दौरान महंगाई और बेरोजगारी खत्म करने का वादा किया है। अपने नागरिकों को नौकरी देना उनकी शीर्ष प्राथमिकता में है। उनका माानना है कि अमेरिकी नौकरियों पर पहला हक अमेरिकी नागरिकों का होना चाहिए। जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी की नीति ठीक इसके उलट थी। इन परिस्थितियों के बीच देखना दिलचस्प होगा कि ट्रंप भारतीय हितों के कितना अनुकूल साबित होते हैं।

उपचुनाव के प्रचार में सीएम-पायलट की कल दूसरी बार एंट्री

दौसा में रोड शो करेंगे भजनलाल, सचिन पायलट फिर लगाएंगे जोर

नमस्ते राजस्थान

दौसा प्रदेश की सात सीटों पर हो रहे विधानसभा उपचुनाव में दौसा हॉट सीट बनी हुई है। यहां भाजपा से कृषि मंत्री डॉ किरोडीलाल मीणा के भाई जगमोहन मीणा और कांग्रेस से सांसद मुरारीलाल मीणा के करीबी दीनदयाल बैरवा चुनावी मैदान में हैं। पहली बार है कि एसटी और एससी के प्रत्याशी आमने-सामने होने से सामान्य व ओबीसी मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं। ऐसे में दोनों ही पार्टियों का प्रचार कैंपेन भले ही तेजी से चल रहा हो, लेकिन मंत्री किरोड़ी लाल मीणा और सांसद मुरारीलाल मीणा की प्रतिष्ठा दांव पर लगी होने की चचाएं चहुंओर बनी हुई हैं।

अब भजनलाल शर्मा का रोड शो, सचिन पायलट का भी दौरा

इसी बीच सियासी समीकरण साधने के लिए प्रचार अभियान में एक बार फिर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट की एंट्री होगी। जानकारी के अनुसार रविवार को सीएम भजनलाल शर्मा का रोड शो दौसा शहर के लालसोट रोड स्थित बरकत स्टैच्यू से रवाना होकर सब्जी मंडी के सामने से नया कटला होते हुए रेलवे स्टेशन से गांधी तिराहा पहुंचकर सम्बोधित करेंगे। माना जा रहा है कि क्षेत्र के सामान्य मतदाताओं को साधने में सीएम का दौरा अहम साबित हो सकता है। इससे पहले भी सीएम ने नामांकन सभा को संबोधित किया था।

गुर्जर वोटर्स को लामबंद करने फिर आएंगे पायलट

दूसरी ओर एआइसीसी महासचिव और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट भी 10 नवम्बर को दौसा क्षेत्र के दौरे पर आएंगे। वे यहां कांग्रेस प्रत्याशी दीनदयाल बैरवा के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर सकते हैं। हालांकि अधिकृत कार्यक्रम अभी जारी नहीं हुआ है। चुनाव प्रचार में सचिन पायलट की भी दूसरी बार एंट्री को जातीय समीकरण साधने से जोड़कर देखा जा रहा है, जिससे प्रचार के आखिरी वक्त में वोटर्स को लामबंद किया जा सके। इससे पहले भी पायलट ने पिछले दिनों ही दौसा से रवाना होकर कुंडल व सैंथल क्षेत्र के दर्जनों गांवों का दौरा किया था। दौसा सीट पर विधानसभा उपचुनाव को मंत्री किरोडीलाल मीणा स्वयं के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रतिष्ठा से जोड़कर वोट मांगते देखे जा रहे हैं। हाल ही में भंडाना गांव में प्रचार के दौरान करोड़ी ने इसका जिक्र कर लोगों से भाजपा को वोट देने की अपील की थी। दूसरी सांसद मुरारीलाल मीणा भी उपचुनाव को इमेज का सवाल बताकर वोटर्स के साथ कार्यकताओं को एकजुट करने में प्रयासरत हैं। उन्होंने पिछले दिनों कहा था कि डीसी बैरवा को मैंने टिकट दिलाया, अब मेरी बात खराब नहीं होनी चाहिए। यह चुनाव कांग्रेस की प्रतिष्ठा का चुनाव है। इसलिए भाजपा को सबक सिखाना होगा।

रंजिश के चलते ताऊ-भतीजे पर किया हमलाः

डंडों से वार कर रुपए छीने, चार नामजद सहित 9 के खिलाफ मामला दर्ज

नमस्ते राजस्थान

हनुमानगढ़ हनुमानगढ़ में रंजिश के चलते बाइक सवार ताऊ-भतीजे पर हमला कर रुपए छीनने का मामला सामने आया है। इस मामले में सदर पुलिस थाने में चार व्यक्तियों के खिलाफ नामजद और पांच अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एएसआई मुसे खां ने बताया कि संजय कुमार (27) पुत्र हनुमान निवासी वार्ड 16, पक्कासारणा ने लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके पड़ोस में ही रहने वाले मोहनलाल पुत्र डूंगरराम, संजय पुत्र राधाकिशन, इन्द्राज पुत्र सुल्तान राम, उमेश पुत्र आशाराम उससे और उसके परिवार के लोगों के साथ पुरानी रंजिश रखते हैं। यह लोग आए दिन उनके साथ किसी न किसी बहाने से लड़ाई-झगड़ा और मारपीट करते हैं। इस मामले में पहले भी इनके रिपोर्ट दर्ज है। उन मामलों में पुलिस की ओर से इन लोगों को पाबंद किया गया है। शुक्रवार की सुबह करीब 10-10.30 बजे वह और उसका ताऊ रामेश्वर लाल दोनों उसके ताऊ के पोते इशित (02) को दवाई दिलवाकर बाइक पर वापस अपने घर की ओर आ रहे थे। जैसे ही वे गांव में गुरुद्वारा के पीछे जोहड़ के पास से गुजरे तो मोहनलाल, संजय, इन्द्राज, उमेश बाइक लेकर खड़े थे, जबकि 5 अन्य लोग वहां पास में ही झाड़ियों में छिपकर घात लगाकर बैठे थे। इनके पास लाठियां और डंडे थे। कुछ डंडों पर लोहे की चेन से लपेटकर उनको जानलेवा हथियार भी बना रखे थे। इन लोगों ने बाइक को जबरन रोकने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने बाइक नहीं रोकी। इस पर इन लोगों ने पीछा कर जबरन बाइक रुकवा ली। संजय कुमार ने अपनी बाइक से उनकी बाइक में पीछे से टक्कर मारी। मोहनलाल ने अपनी बाइक आगे लगा ली। इसके बाद इन सभी ने जानलेवा हमला शुरू कर दिया। बच्चे इशित को उसके ताऊ की गोद से छीनकर नीचे फेंक दिया। बाइक के साइलेंसर पर लगने से इशित का पैर जल गया। मारपीट में उसके औप उसके ताऊ को गंभीर चोट आई। संजय कुमार ने उसके ताऊ रामेश्वर लाल की जेब में रखे 1500 रुपए छीन लिए। संजय कुमार के अनुसार इन लोगों ने करीब 10 दिन पहले उसके ताऊ के लड़के प्रदीप कुमार के मोबाइल पर कॉल कर जान से मारने की धमकी दी थी और कहा था कि जल्द ही अंजाम भुगतने को तैयार रहना। यह लोग आपराधिक प्रवृति के लोग हैं और आए दिन उन पर हमला करते हैं। यह लोग सरेआम उसे और उसके परिवार को जान से मारने पर उतारु हैं। वह और उसका परिवार काफी भयभीत है। पुलिस ने मारपीट कर रुपए छीनने के आरोप में बीएनएस की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चंबल किनारे पेड़ पर लटका मिला युवक का शवः

बेटी से बोलकर निकला था खाना बना कर रखना; जांच में जुटी पुलिस

कोटा शहर के नयापुरा थाना क्षेत्र में चंबल किनारे एक पेड़ पर युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को नीचे उतारकर एमबीएस हॉस्पिटल लाए। ड्यूटी डॉक्टर ने चेक कर उसे मृत घोषित किया। घटना शुक्रवार दोपहर साढ़े 3 बजे के आसपास की है। मृतक श्याम बिहारी (42) किशनगंज, थाना बूढ़ादित हाल गांवड़ी दुर्गा माता मंदिर नयापुरा इलाके में रहता था। आज परिजनों के आने के बाद शव का पोस्टमॉर्टम करवाया जा रहा है। फिलहाल मौत के स्पष्ट कारण सामने नहीं आए।

पेड़ से लटका मिला

छोटे भाई नरेंद्र ने बताया कि श्याम बिहारी 7-8 साल से कोटा में किराए से रहता था। मंडी में मजदूरी करता था। उसकी 14 साल की बेटी साथ में रहती है। पत्नी की काफी समय पहले मौत हो चुकी। भतीजी ने बताया कि शुक्रवार दोपहर 1 बजे करीब श्याम बिहारी घर से निकला था। उसने बेटी से खाना बनाने की कहा था। दोपहर 3 बजे करीब भतीजी ने फोन करके श्यामबिहारी का शव पेड़ पर लटके होने की जानकारी दी।जिसके बाद परिवार सहित गांव से कोटा आए। तब तक शव को एमबीएस हॉस्पिटल की मोर्चरी में शिफ्ट करवाया जा चुका था। नयापुरा थाना हेड कॉन्स्टेबल भरत ने बताया कि युवक का शव चंबल किनारे पेड़ पर लटका हुआ मिला था। प्रारम्भिक तौर पर सुसाइड की जानकारी सामने आई है।

प्रॉपर्टी विवाद में बेटे ने मां को कुल्हाड़ी मारी, मौतः

बहन ने भाग कर जान बचाई, शोर सुनकर पड़ोसियों ने पकड़ा; पुलिस ने हिरासत में लिया

नमस्ते राजस्थान

अजमेर अजमेर के गंज थाना क्षेत्र में बेटे ने मां पर कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। सूचना मिलने पर गंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और बेटे को हिरासत में लिया गया है। एफएसएल और एमओबी टीम को मौके पर बुलाया गया हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बेटी बोली- मां के सिर पर 2 बार कुल्हाड़ी मारी

दरगाह पुलिस उपाधीक्षक लक्ष्मण राम भाखर ने बताया कि प्रॉपर्टी के विवाद में गांव अजयसर निवासी बबलू उर्फ बाबू (32) पुत्र शंकर ने अपनी मां हंजा देवी (55) की हत्या कर दी है। सूचना मिलने पर गंज थाना पुलिस के साथ वह मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना किया गया है। मौके पर एफएसएल और एमओबी टीम को भी बुलाया गया है। मामले में जांच जारी है। महिला की बेटी आशा ने बताया कि 1:00 के करीब वह अपनी मां के साथ रसोई में खाना खा रही थी। तभी भाई बबलू आया और गुस्से में आकर मां पर कुल्हाड़ी से सिर पर दो बार हमला कर दिया। इसके बाद उसे भी मारने के लिए पीछे भागने लगा। लेकिन, वह बच कर घर से बाहर निकली और अपनी जान बचाई। पड़ोसियों ने आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे और भाई को पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और भाई को पुलिस के हवाले कर दिया।

2 दिन से चल रहा था विवाद

मृतक महिला के पति शंकर ने बताया कि गांव में उनकी डेढ़ बीघा जमीन है। जमीन उसकी पत्नी के नाम ही है। लेकिन जमीन के दो हिस्से कर रखे हैं। एक हिस्सा बेटे याकूब और दूसरा बबलू को दिया हुआ है। बेटे याकूब पर कर्ज होने के कारण उसने जमीन का अपना हिस्सा बेच दिया था। लेकिन दूसरे बेटे बबलू को शक था कि उसकी भी जमीन का हिस्सा बेच दिया है। लेकिन उसकी जमीन का हिस्सा बेचा नहीं था। मां को मारने से पहले भी उसे समझाया था।

हवाई फायरिंग और मारपीट के मामले में 9 लोग गिरफ्तारः

ट्रैक्टर दौड़ाने पर हुआ था झगड़ा, दोनों पक्षों ने दर्ज कराया था हत्या के प्रयास का मामला

नमस्ते राजस्थान

धौलपुर धौलपुर जिले के मनियां थाना क्षेत्र के परसोंदा गांव में आपसी विवाद को लेकर कुछ दिनों पहले दो पक्षों में मारपीट हो गई थी। दोनों पक्षों की ओर से हवाई फायरिंग और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हत्या के प्रयास में दोनों पक्षों के नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। मनियां थाना प्रभारी नरेश शर्मा ने बताया कि 5 नवंबर को परसोंदा गांव में तेज गति से ट्रैक्टर चलाने को लेकर गांव के ही गब्बर सिंह और दाताराम पक्ष के बीच जमकर मारपीट हुई थी। जिसमें दोनों पक्षों ने मारपीट के साथ हवाई फायरिंग करते हुए हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कराया था। मारपीट की घटना में दोनों पक्षों से आधा दर्जन लोग घायल हुए थे। जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। थाना प्रभारी ने बताया कि मारपीट की घटना में शामिल दोनों पक्षों के नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए सभी लोगों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से कोर्ट ने सभी आरोपियों को 11 नवंबर तक पुलिस रिमांड पर भेजा है। मारपीट और हत्या के प्रयास की घटना में शामिल सभी आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

इनकी हुई गिरफ्तारी

दोनों पक्षों की ओर से हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कराया गया था। इस मामले में पुलिस ने कल्याण सिंह (70) पुत्र खूबचंद, पीतम सिंह (68) पुत्र खूबचंद, धर्मेंद्र (28) पुत्र लाखन सिंह, गब्बर सिंह (33) पुत्र लाखन सिंह, लवकुश (27) पुत्र दाताराम, दाताराम (70) पुत्र जरमन सिंह, ओम प्रकाश (58) पुत्र जगन्नाथ और रमेश (60) पुत्र जरमन सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों को 11 नवंबर तक रिमांड पर लिया है।

900 करोड़ का घोटाला, महेश जोशी की कितनी भूमिका?

पीएचईडी के इंजीनियर ने उगले राज, टेंडर राशि का 4 हुआ एडवांस भुगतान

नमस्ते राजस्थान

जयपुर राजस्थान में करीब 900 करोड़ के जल जीवन मिशन घोटाले में एसीबी ने पूर्व मंत्री महेश जोशी सहित 22 अफसरों को आरोपी बनाया है। इनके खिलाफ ऋक्र दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जल्द ही पूछताछ के लिए कुछ गिरफ्तारियां हो सकती हैं। एसीबी ने किस आधार पर पूर्व मंत्री महेश जोशी पर मुकदमा बनाया है? इस घोटाले में उनकी क्या भूमिका है? एसीबी के हाथ कौनसे सबूत लगे हैं? यह जानने के लिए भास्कर ने इस मामले में ईडी की एसीबी को सौंपी गई जांच रिपोर्ट और एसीबी की ओर से दर्ज ऋक्र खंगाली। रिपोर्ट के अनुसार जयपुर की दो ट्यूबवेल कंपनियों को करोड़ों के टेंडर देने में पीएचईडी के अधिकारियों से लेकर विभाग के तत्कालीन मंत्री तक का कनेक्शन था। पूरे टेंडर का 4 प्रतिशत कमिशन तक एडवांस भुगतान हुआ था। इस खेल में नीचे से लेकर ऊपर तक सबका हिस्सा और कमीशन तय था।

सबसे पहले घोटाले की कुछ शुरूआती कहानी समझते हैं

यह घोटाला केंद्र सरकार की हर घर नल पहुंचाने वाली 'जल जीवन मिशन योजना' से जुड़ा है। वर्ष 2021 में श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी और मैसर्स श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी के ठेकेदार पदमचंद जैन और महेश मित्तल ने फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र दिखाकर जलदाय विभाग (ढल्रुएक्र) से करोड़ों रुपए के 4 टेंडर हासिल किए थे। श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी ने फर्जी कार्य प्रमाण पत्रों से पीएचईडी की 68 निविदाओं में भाग लिया था। उनमें से 31 टेंडर में एल-1 के रूप में 859.2 करोड़ के टेंडर हासिल किए। वहीं श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी ने 169 निविदाओं में भाग लिया और 73 निविदाओं में एल -1 के रूप में भाग लेकर 120.25 करोड़ के टेंडर हासिल किए थे। घोटाले का खुलासा होने पर एसीबी ने जांच शुरू की। कई भ्रष्ट अधिकारियों को दबोचा। फिर ईडी ने केस दर्ज कर महेश जोशी और उनके सहयोगी संजय बड़ाया सहित अन्य के ठिकानों पर दबिश दी। इसके बाद सीबीआई ने 3 मई 2024 को केस दर्ज किया। ईडी ने अपनी जांच पूरी कर 4 मई को सबूत और दस्तावेज एसीबी को सौंपे दिए थे।

FIR में 18 बार महेश जोशी का नाम

एसीबी ने ईडी से रिपोर्ट मिलने के बाद दीपावली से एक दिन पहले 30 अक्टूबर को पूर्व मंत्री महेश जोशी सहित 22 अधिकारियों के खिलाफ ऋक्र दर्ज की है। एफआईआर में महेश जोशी और उनके पद (तत्कालीन मंत्री) का 18 बार और संजय बड़ाया का 16 बार जिक्र आया है। अधिकांश बार दोनों के नामों का एक साथ उल्लेख किया गया है। एसीबी के एडिशनल एसपी विशनाराम की जांच और ईडी से मिले दस्तावेजों में बड़ा खुलासा हुआ है कि पूर्व मंत्री महेश जोशी, उनके सहयोगी संजय बड़ाया और पीएचईडी के अधिकारियों को टेंडर राशि का 4 प्रतिशत तक एडवांस भुगतान हुआ था। ये राशि दोनों संदिग्ध फर्मों मैसर्स श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी और मैसर्स श्री गणपति ट्यूबवेल के ठेकेदार पदमचंद जैन और महेश मित्तल ने दी थी। ईडी ने इस संबंध में एसीबी को दस्तावेज उपलब्ध कराए हैं। ईडी ने अपनी जांच के आधार पर पूर्व मंत्री महेश जोशी को आरोपी बनाया। इसी आधार पर एसीबी ने भी महेश जोशी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इस संबंध में जांच शुरू हो चुकी है। अब एसीबी जल्द ही आरोपियों को तलब कर उनके बयान दर्ज करेगी।

ट्रांसफर से एपीओ तक कराता था संजय बड़ाया

एसीबी के अनुसार जल जीवन मिशन घोटाले को अंजाम देने में पीएचईडी के पूर्व मंत्री महेश जोशी और संजय बड़ाया की बड़ी भूमिका थी। जांच एजेंसी ने संजय बड़ाया को राजस्थान के पूर्व पीएचईडी मंत्री महेश जोशी का एक विश्वसनीय सहयोगी बताया है। आरोपी संजय बड़ाया का दखल पीएचईडी कर्मचारियों की निगरानी से लेकर उनके ट्रांसफर तक में होता था। महेश जोशी के माध्यम से संजय बड़ाया अधिकारियों को एपीओ तक करा देता था। ईडी की रिपोर्ट में इसका जिक्र है कि पूर्व मंत्री महेश जोशी के कहने पर ही संजय बड़ाया ट्रांसफर, पोस्टिंग और टेंडर से जुड़े काम देख रहा था। जबकि संजय बड़ाया न तो पीएचईडी के साथ काम कर रहा था और न ही पीएचईडी के साथ कोई आधिकारिक संबंध था। अभियंता ने खोला राज, बोले- पूर्व मंत्री जोशी और बड़ाया में सांठगांठ ईडी को अपनी जांच में मैसर्स श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी और मैसर्स श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी के ठेकेदारों से रिश्वत लेने में संजय बड़ाया की संलिप्तता के सबूत मिले हैं। जिसमें टेंडर के आवंटन में पूर्व मंत्री की ओर से सौंपे काम का जिक्र है। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्डरिंग एक्ट (पीएमएलए) 2002 के तहत की गई ईडी की जांच में तत्कालीन इंजीनियर विशाल सक्सेना का बयान धारा 50 के तहत दर्ज किया। विशाल सक्सेना पीएचईडी के शाहपुरा में कार्यकारी अभियंता थे। कारोबारी संजय बड़ाया और पूर्व मंत्री महेश जोशी। कारोबारी संजय बड़ाया और पूर्व मंत्री महेश जोशी। एसीबी ने अपनी एफआईआर में भी इसे महत्वपूर्ण आधार माना है। जिसमें विशाल ने जांच एजेंसी को बताया कि संजय बड़ाया पूर्व पीएचईडी मंत्री महेश जोशी के निर्देश पर पीएचईडी के विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संपर्क में रहता था। एक घटना का जिक्र करते हुए विशाल सक्सेना ने ईडी को बताया कि जून 2022 के आसपास महेश जोशी से उनके निवास पर मुलाकात हुई थी।

रिनोवेशन की शुरुआत और रंग योजना : शैक्षिक वातावरण और सकारात्मकता पर जोर

भगवा रंग में नजर आएंगे प्रदेश के सरकारी कॉलेज

दूसरे चरण में सभी कॉलेजों का रिनोवेशन

पहले फेज में 10 संभागों के 20 कॉलेजों से शुरुआत; फ्रंट गेट और हॉल का कलर बदलेगा

कॉलेजों में काम पूरा होने के बाद बाकी बचे कॉलेजों में पेंटिंग कराने का आदेश जारी किया जाएगा

जयपुर।

राजस्थान में सरकारी कॉलेजों के मेन गेट और गैलरी को भगवा रंग में रंगने का आदेश जारी हो गया है। जयपुर स्थित कमिश्नरेट कॉलेज एजुकेशन ने फर्स्ट फेज में 20 कॉलेजों को यह आदेश जारी किया है, जिसमें कॉलेज बिल्डिंग के सामने वाले एरिया व एंट्रेंस हॉल का रंग व्हाइट गोल्ड और ऑरेंज ब्राउन करने के बारे में लिखा गया है। बताया जा रहा है कि इन कॉलेजों में काम पूरा होने के बाद बाकी बचे कॉलेजों में पेंटिंग कराने का आदेश जारी किया जाएगा।

10 संभागों के 20 कॉलेज में काम शुरू

डिपार्टमेंट ऑफ कॉलेज एजुकेशन के ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ। विजेंद्र कुमार शर्मा ने कहा, 'प्रदेश के कॉलेज शिक्षा के प्रमुख केंद्र हैं। स्टूडेंट्स के लिए एजुकेशनल एनवायरनमेंट ऐसा होना चाहि जिससे कॉलेजों पहुंचते ही वो पॉजिटिव फील करे और हायर एजुकेशन की प्रति अच्छा रेस्पोंस दे। कॉलेजों में पॉजिटिविटी, गुड हाइजीन और एजुकेशनल एनवायरनमेंट को बढ़ावा देने के लिए यह बदलाव किए जाने जरूरी हैं। इसके लिए पहले चरण में 10 संभागों के 20 कॉलेजों को चुना गया है।'

कौन-कौन से कॉलेज में होगी भगवा पेंटिंग?

अजमेर के एसपीसी गवर्मेंट कॉलेज और एसबीआरएम गवर्मेंट कॉलेज, बांसवाड़ा संभाग में राजकीय महाविद्यालय बांसवाड़ा और राजकीय महाविद्यालय प्रतापगढ़, बीकानेर के गवर्मेंट डूंगर कॉलेज और गवर्मेंट कॉलेज गंगानगर, भरतपुर में एमएसजे गवर्मेंट कॉलेज और एससीआरएस गवर्मेंट कॉलेज सवाई माधोपुर, जयपुर संभाग में अलवर के बीएसआर गवर्मेंट कॉलेज एवं कोटपुतली के एलबीएस गवर्मेंट कॉलेज, जोधपुर में गर्वमेंट कॉलेज जोधपुर, एमबीआर गवर्मेंट कॉलेज बालोतरा, कोटा संभाग में गवर्मेंट साइंस कॉलेज कोटा और गवर्मेंट कॉलेज बूंदी, पाली संभाग में गवर्मेंट बांगर कॉलेज पाली एवं गवर्मेंट कॉलेज जालोर, सीकर में एस के गवर्मेंट गर्ल्स कॉलेज सीकर, गवर्मेंट लोहिया कॉलेज चूरू, उदयपुर में गवर्मेंट मीरा गर्ल्स कॉलेज उदयपुर एवं एमपी गवर्मेंट कॉलेज चित्तौड़गढ़ का नाम शामिल है।

साइकिल का रंग भी केसरिया

इससे पहले सरकार ने स्कूलों बच्चों की फ्री में दी जाने साइकिलों का रंग भी बदल दिया था। शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने इसके पीछे बताया कि पहले भी राजस्थान में केसरिया साइकिलें वितरित की जा रही थी, लेकिन कांग्रेस ने इसे बदलकर काला रंग कर दिया। केसरिया रंग हमारी वीरता और शौर्य का प्रतीक है, केसरिया रंग देश की आजादी के लिए लड़े क्रांतिकारियों से जुड़ा है, केसरिया अग्नि देवता और सूर्य की रोशनी का प्रतीक है। इसलिए इस बार छात्रों को केसरिया रंग की साइकिलें वितरित की।

रीट के लिए 1 दिसंबर से होंगे आवेदन

जयपुर।

राजस्थान एलिजिबिलिटी एग्जाम फॉर टीचर्स के लिए 1 दिसंबर से आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर 25 नवंबर से पहले विज्ञप्ति जारी करेगा। वहीं, फरवरी में एग्जाम होगा। इसके बाद लगभग 3 महीने की प्रक्रिया में आंसर की और रिजल्ट जारी होगा। साथ ही शिक्षक भर्ती प्रक्रिया की तारीख भी जारी की जाएगी। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा- प्रदेश के लाखों अभ्यर्थी पिछले लंबे से रीट का इंतजार कर रहे हैं। हमारी सरकार ने भी रीट कराने का वादा किया था। 25 नवंबर से पहले रीट की विज्ञप्ति जारी की जाएगी। 1 दिसंबर से आवेदन की प्रक्रिया भी शुरू होगी।

जयपुरिया हॉस्पिटल अधीक्षक ने नाराज होकर सरकार को भेजा इस्तीफा

जयपुर।

जयपुर के रुकमणी देवी बेनी प्रसाद जयपुरिया हॉस्पिटल के अधीक्षक ने डॉक्टर महेश मंगल ने सरकार को अपना इस्तीफा पत्र भेज दिया है। राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ एंड साइंसेज (र॥स) के कार्यवाहक कुलपति डॉक्टर धनंजय अग्रवाल की कार्यशैली से खफा होकर डॉ. मंगल ने इस्तीफा दिया है। पिछले 6 माह में ये दूसरा मौका है, जब डॉ. मंगल ने सरकार को पत्र लिखकर अधीक्षक पद से हटाने की बात कही है।

शिफ्टिंग करते समय चिड़ियाघर में हुई एमू की मौत,गुपचुप दफनाया

जयपुर।

रामनिवास बाग स्थित चिड़ियाघर से एमू पक्षियों को नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में शिफ्ट करने के दौरान शुक्रवार सुबह एक मादा एमू पक्षी की मौत हो गई। जू प्रशासन ने घटना के बाद पोस्टमार्टम कर एमू को चिड़ियाघर में ही दफना दिया गया। जू प्रशासन ने इस मामले की किसी को भनक तक नहीं लगने नहीं दी। एमू की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आना अभी बाकी है। चिड़ियाघर के एक कर्मचारी ने बताया कि यह मादा एमू स्वस्थ थी और इन्हें नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में शिफ्ट किया जा रहा था। सुबह 10.30 पौने ग्यारह बजे के करीब पिंजरे में जब एमू को पकड़ने गए तो वह इधर-उधर भागने लगी। इस बीच बचने के लिए वह पिंजरे में बनी गुमटी में घुस गई।

ट्रूडो ने माना- कनाडा में खालिस्तान समर्थक मौजूद

बोले- यहां पीएम मोदी के हिंदू समर्थक भी, लेकिन वे सभी हिन्दुओं को रिप्रेजेंट नहीं करते

ओटावा।

भारत और कनाडा के बीच जारी कूटनीतिक विवाद के बीच कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने पहली बार यह माना है कि कनाडा में खालिस्तान समर्थक मौजूद हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि ये लोग पूरे सिख समुदाय को रिप्रेजेंट नहीं करते।

ट्रूडो ने यह बात 8 नवंबर को कनाडाई संसद पार्लियामेंट हिल में आयोजित दिवाली समारोह में कही। उन्होंने यह भी कहा कि कनाडा में रहने वाले कई हिंदू पीएम मोदी के समर्थक भी हैं, लेकिन वे पूरे कनाडाई हिंदू समाज का प्रतिनिधित्व नहीं करते।

दरअसल, भारत का आरोप है कि कनाडा खालिस्तानी आतंकियों को शरण देता है। इस आरोप को अब तक कनाडाई पीएम और अन्य मंत्री खारिज करते आए हैं। ऐसे में ट्रूडो का बयान काफी अहम माना जा रहा है।

कनाडा ने स्टूडेंट डायरेक्ट वीजा प्रोग्राम बंद किया, भारतीय छात्रों को नुकसान

कनाडा ने 8 नवंबर से स्टूडेंट डायरेक्ट स्ट्रीम (स्ष्ठस) वीजा प्रोग्राम बंद कर दिया है। न्यूज एजेंसी पीएम के मुताबिक कनाडा ने 2018 में SDS वीजा प्रोग्राम शुरू किया था। इसके तहत 14 देशों के छात्रों को जल्दी वीजा देने के लिए यह प्रोग्राम शुरू किया गया था। इन 14 देशों में भारत के अलावा पाकिस्तान, चीन, मोरक्को जैसे देश शामिल हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक कनाडा सरकार अपने यहां आने वाले अप्रवासियों की संख्या में कटौती करना चाहती है। इस वजह से यह कदम उठाया गया है। सरकार ने अपनी वेबसाइट पर बताया है, 'हम दुनिया के सभी छात्रों को समान अवसर प्रदान करना चाहते हैं। इसलिए कुछ देशों के लिए शुरू हुई स्टूडेंट डायरेक्ट स्ट्रीम को बंद करने का निर्णय लिया गया है। अब दुनियाभर के सभी छात्र समान रूप से स?टूडेंट वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं।' कनाडा के ब्रैम्पटन में 3 नवंबर को खालिस्तानी समर्थकों ने हिंदू सभा मंदिर परिसर में मौजूद लोगों पर हमला कर दिया था। इस दौरान हमलावरों के हाथों में खालिस्तानी झंडे थे। उन्होंने लोगों पर लाठी-डंडे से हमला किया था।

अनीता चौधरी मर्डरकेस

गुमराह कर रहा गुलामुद्दीन, पुलिस ने 7 दिन की रिमांड पर लिया, अब भी नहीं उठी मृतका की लाश

जोधपुर।

जोधपुर के बहुचर्चित ब्यूटीशियन अनीता चौधरी हत्याकांड का मुख्य आरोपी गुलामुद्दीन पूछताछ में पुलिस को गुमराह कर रहा है। वह लूट के इरादे से हत्या करने की बात पर कायम है। पुलिस भी इसी थ्योरी पर जांच कर रही है। हालांकि पुलिस अभी खुलकर हत्या की वजह नहीं बता रही। लेकिन प्रारंभिक जांच में यह बात साफ हो रही है कि गुलामुद्दीन ने अनीता की हत्या लूट के इरादे से की थी। आशंका जताई जा रही है कि उसने अनीता को शर्बत में डालकर कुछ पिलाया, जिसकी ओवरडोज से उसकी मौत हो गई। बाद में शव को ठिकाने लगाने के लिए गुलामुद्दीन ने उसके टुकड़े कर दफना दिया। पुलिस ने गुलामुद्दीन को कोर्ट में पेश कर सात दिन के रिमांड पर लिया है। दरअसल गुलामुद्दीन अपराधी किस्म का व्यक्ति है। वह पहले भी जहरखुरानी की वारदातों में लिप्त रहा है। गुलामुद्दीन ने अनीता के जेवर व नकदी लूटने के लिए उसे कुछ ऐसा पिलाया था, जिससे वह बेहोश हो गई और वापस नहीं उठ सकी। यही बात गुलामुद्दीन की पत्नी आबिदा ने पुलिस को बताई थी। फिलहाल, पुलिस की पूछताछ जारी है।

भजनलाल सरकार का बड़ा तोहफा, प्रिंसिपल के 5000 पदों पर वाइस प्रिंसिपल को मिलेगा प्रमोशन

जयपुर।

प्रदेश के स्कूलों में लम्बे अरसे से प्रिंसिपल बनने का इंतजार कर रहे वाइस प्रिंसिपल के लिए खुशखबरी है। अब उनके प्रिंसिपल बनने का रास्ता साफ हो गया है। इसके लिए शिक्षा विभाग ने पदों को भरने की क़वायद शुरू कर दी है। मीडिया राजस्थान की ओर से मुद्दे को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद सरकार हरकत में आ गई थी। दरअसल, राजस्थान शिक्षा सेवा के नियमों के मुताबिक़ स्कूलों में कार्यरत वाइस प्रिंसिपल को ही प्रमोशन देकर डीपीसी के जरिए प्रिंसिपल के पदों को भरने का प्रावधान है। अब माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने पदोन्नति के लिए अस्थाई लिस्ट भी जारी कर दी है। इस लिस्ट में 14 नवम्बर तक वाइस प्रिंसिपल अपनी आपत्तियां दर्ज करवा सकेंगे।

आपत्तियों के निस्तारण के बाद शिक्षा विभाग की तरफ़ से स्थायी सूची जारी की जाएगी। साल 2023-24 की डीपीसी में तक़रीबन 5 हजार लोगों के वाइस प्रिन्सिपल से प्रिन्सिपल बनने की सम्भावना है। हालांकि प्रिन्सिपल के पद पर प्रोमोशन के लिए वाइस प्रिंसिपल के तौर पर 3 साल का अनुभव होना जरूरी है, लेकिन इस डीपीसी के लिए प्रदेश की सरकार ने अनुभव में छूट का प्रावधान किया है।

दीवाली के बाद मांग पूरी करने का मिला था आश्वासन

दरअसल, प्रमोशन के लिए कुछ दिनों पहले बीकानेर स्थित शिक्षा निदेशालय के बाहर धरना हुआ था. कई दिनों तक चले इस धरने के दौरान एनडीटीवी ने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया. इसके बाद धरने पर बैठे वाइस प्रिंसिपल को सरकार ने बातचीत के लिए बुलाया था. साथ ही दीपावली के बाद उनकी मांगों को क्रियान्वित करने का आश्वासन दिया गया था।

पद भरे जाने से 5 हजार वाइस प्रिंसिपल को होगा फायदा

प्राचार्य संघर्ष समिति के संयोजक विपिन जैन ने एनडीटीवी का शुक्रिया अदा किया और कहा कि जैसे ही खबर चली तो उसके तुरन्त बाद हमारी मांग पर एक्शन ले लिया गया, इसके लिए एनडीटीवी का आभार. विपिन जैन का कहना है कि सरकार ने वक्त रहते अच्छा निर्णय लिया है, जिसका फायदा पांच हजार वाइस प्रिंसिपल को मिलेगा. वहीं प्रिंसिपल पद भरे जाने के चलते स्कूलों की हालत में भी सुधार होगा।

अमेरिका के ऑस्टिक कोकस ने जीती पैराग्लाइडिंग वर्ल्ड चैम्पियनशिप

बैजनाथ, कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश के बीड़ बिलिंग में संपन्न पैराग्लाइडिंग वर्ल्ड कप में अमेरिका के ऑस्टिन कोकस ने बाजी मारी। आठ दिन तक चली प्रतियोगिता में ऑस्टिन कोकस पहले स्थान पर पर भारत के भारत के रणजीत सिंह दूसरे नंबर पर तथा पोलैंड के डामर कैपिटा तीसरे स्थान पर हैं।

निर्मला सीतारमण बोलीं- पितृसत्ता लेफ्ट का बनाया कॉन्सेप्ट

अगर ये महिलाओं को आगे बढ़ने से रोकता, तो इंदिरा गांधी पीएम कैसे बनीं

बेंगलुरु।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पितृसत्ता को लेकर अपनी राय दी है। उन्होंने कहा कि अगर पितृसत्ता भारत में महिलाओं को अपनी इच्छाओं को पूरा करने से रोकती, तो इंदिरा गांधी कैसे प्रधानमंत्री बन पाईं?

बेंगलुरु के ष्ह्रस्न बिजनेस स्कूल में शनिवार को स्टूडेंट्स से बातचीत के दौरान उन्होंने ये बात कही। महिला सशक्तिकरण को लेकर एक सवाल का जवाब देते हुए सीतारमण ने कहा कि पितृसत्ता का विचार लेफ्टिस्ट पार्टियों ने बनाया है।

सीमारमण ने महिलाओं को सलाह दी कि वे आकर्षक जटिल शब्दों के जाल में न उलझें। अगर आप अपने लिए खड़े होते हैं और तर्कसंगत तरीके से बात रखते हैं, तो पितृसत्ता आपको अपने सपने पूरे करने से नहीं रोक सकती। हालांकि उन्होंने यह माना कि महिलाओं के लिए पर्याप्त सुविधाएं मौजूद नहीं हैं और इसमें बदलाव की जरूरत है।

निर्मला बोलीं- मोदी सरकार ने इनोवेटर्स के लिए बेहतर माहौल बनाया इस कार्यक्रम में निर्मला ने केंद्र सरकार की तरफ से इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों और युवाओं के लिए मौजूद सरकारी योजनाओं के बारे में बातचीत की। निर्मला ने इनोवेशन के मौकों को लेकर कहा कि मोदी सरकार ऐसा माहौल बना रही है जो इनोवेटर्स के लिए अच्छा है।

पुष्कर मेले में ऊंट का डांस; पहली बार निकाली रैली

विदेशी मेहमानों ने बजाया नगाड़ा; 51 हजार दीपों की रोशनी से जगमगाया सरोवर

पुष्कर (अजमेर)।

अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेले की आज से विधिवत शुरुआत हो गई है। 15 नवंबर तक चलने वाले इस मेले के पहले दिन पुष्कर और आसपास के सरकारी स्कूलों की 200 से ज्यादा छात्राओं ने राजस्थानी गीतों पर परफॉर्मेंस दी। विदेशी पर्यटकों ने इन छात्राओं के साथ फोटो भी खिंचाए। इस दौरान विदेशी मेहमानों ने प्रसिद्ध नगाड़ा वादक के साथ नगाड़ा भी बजाया।

मेले में पहली बार 51 ऊंटों की रैली (परेड) निकालकर ऊंटों के संरक्षण का मैसेज दिया। यह रैली पुराने मेला मैदान से नए मेला मैदान तक 1 किलोमीटर निकाली गई। इस दौरान सेंड आर्टिस्ट अजय रावत ने रेत पर ऊंटों की आकृति उकेरी। मेले में ऊंट ने डांस भी किया। भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों के बीच चक दे इंडिया फुटबॉल मैच का आयोजन हुआ। रोमांचक मुकाबले में भारतीय टीम ने 4-3 से जीत हासिल की।

पुष्कर मेले में शाम 6 बजे सरोवर के 52 घाटों पर दीपदान का आयोजन किया गया। पुष्कर मेले में पहली बार 51000 दीपकों की रोशनी से पुष्कर सरोवर के 52 घाट जगमगा गए। 52 घाटों पर एक साथ महा आरती का आयोजन किया गया। इस दौरान पुष्कर सरोवर के घाट पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, छात्राओं और स्थानीय लोगों ने आकर्षक रंगोली सजाई। स्थानीय तीर्थ पुरोहित रविकांत शर्मा ने बताया- महाआरती की तैयारी को लेकर पहले से रिहर्सल की गई थी। इसके बाद प्रशिक्षित ब्राह्मणों को सरोवर के 52 घाट आवंटित किए गए।

जम्मू-कश्मीर में सेना ने एक आतंकी को मार गिराया

सोपोर के रामपुर जंगल में एनकाउंटर जारी; कल भी दो आतंकी मारे गए थे

बारामूला।

जम्मू-कश्मीर के बारामूला के सोपोर में शनिवार शाम को सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया है। इससे पहले 8 नवंबर को सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया था। इसके बाद से ही सोपोर में सर्च ऑपरेशन जारी है।

अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को रामपुर जंगल में 2-3 आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद से सुरक्षाबलों का जॉइंट सर्च ऑपरेशन जारी है। इसी दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग की। जवाबी फायरिंग में एक आतंकी मारा गया है। एनकाउंटर जारी है। **8 नवंबर :** सगीपोरा और पानीपोरा में सर्च ऑपरेशन चलाया था सोपोर में सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को मार गिराया था। सेना ने सगीपोरा और पानीपोरा में सर्च ऑपरेशन चलाया था। सोपोर के इन

इलाकों में 7 नवंबर की रात से एनकाउंटर जारी था। यहां 2-3 आतंकियों के छिपे होने की खबर मिली थी। कश्मीर आईजीपी वीके बिरदी ने कहा था कि इस ऑपरेशन में 2 आतंकियों को मार गिराया गया है। उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद, आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए। श्रीनगर ग्रेनेड ब्लास्ट में शामिल 3 आतंकी गिरफ्तार कश्मीर आईजीपी वीके बिरदी ने ये भी बताया था कि 3 नवंबर को श्रीनगर के टूरिस्ट रिसेप्शन सेंटर के नजदीक संडे मार्केट में ग्रेनेड हमला हुआ था। इस हमले में 12 लोग घायल हुए थे। हमले में शामिल लश्कर-ए-तैयबा के तीन 3 लोकल आतंकियों को गिरफ्तार किया।

सीएम भजनलाल बोले-कांग्रेस ने मुल्क के मालिकों को भिखारी बनाया

झुंझुनूं की हवा इस बार बदली हुई है; जनसभा में भांबू ने कहा-वोट की भीख मांगता हूं

झुंझुनूं।

झुंझुनूं में उपचुनाव में जीतने के लिए भाजपा और कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंक दी है। शनिवार को सीएम भजनलाल शर्मा भी झुंझुनूं पहुंचे और सुलताना कस्बे में भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र भांबू के समर्थन में जनसभा की। उन्होंने कहा- मैं कहना चाहता हूं कि 70 साल में किसी ने राज किया है तो वो कांग्रेस ने किया है। तो आपको पूछने का हक बनता है कि कांग्रेस ने मुल्क के मालिक को भिखारी बना दिया और जो भिखारी थे, वो आबाद हो गए। सीएम ने जनता को असली मालिक बताते हुए कहा- मेरे मुल्क के मालिकों जागिए... आप पहचान करिए कि आपका भला कौन कर सकता है। उन लोगों से पूछिए, जिन्होंने लंबे समय तक राज किया है। अभी हमारी सरकार को सिर्फ 11 महीने हुए है, जिस दिन हमारी सरकार का एक साल होगा, उस दिन राजस्थान की जनता के सामने एक साल का पूरा का पूरा हिसाब देंगे।

मैं कहना चाहता हूं कि वो 70 साल तक शिलान्यास के झूठे पत्थर लगाते रहे और आप उनको ही तराशते रहे। शेखावाटी का पानी भी गहरा है, यहां का व्यक्ति भी गहरा है। पूरे राजस्थान में जाता हूं और देखता हूं तो पता चलता है कि झुंझुनूं से भोला आदमी कहीं का नहीं है। उन्होंने कहा- झुंझुनूं वीर सपूतों, सैनिकों, किसानों, सेठों और शिक्षिकों की धरती है। इस धरती को नमन करता हूं। झुंझुनूं की हवा इस बार बदली बदली सी नजर आने लगी है। कांग्रेस राज में 17 पेपर लीक, हमने 200 से ज्यादा को जेल में डाला कांग्रेस के शासन में 19 में से 17 पेपर लीक हुए। किसान के बेटे के साथ धोखा हुआ। हमने 200 से ज्यादा पेपर माफिया जेल में डाले। हमने 2 साल का कलेंडर दिया है। जगह निकाली हैं। तय किया है कि कब पेपर होना है, परिणाम किस दिन आना है। कैबिनेट ने 90 हजार वैकेंसी निकाली, हमने मंजूरी दी। 60 हजार चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पद क्या 10 महीने में खाली हो गए। किसान के बेटे को समय पर नौकरी देते तो काम चलता। युवा चिंता न करें, तैयारी करें, और भी पोस्ट निकलेंगी। हम एक साल में एक लाख नौकरी देंगे।

राजेंद्र भांबू ने किया बबलू चौधरी का शुक्रिया

इस दौरान सभा को संबोधित करते हुए प्रत्याशी राजेंद्र भांबू ने कहा- सुलताना हाथीराम की पवित्र धरा है। सीएम पल-पल का फीडबैक ले रहे हैं। वे दूसरी बार झुंझुनूं आए हैं। उनका आभार। झुंझुनूं की प्यासी धरती के लिए उन्होंने यमुना जल समझौता किया। यह बड़ी सौगात है।

सोना, शेयर या बिटकॉइन कहां रहेगा निवेश करना फायदेमंद

जानकारी
बिजनेस डेस्क

अमेरिका को अगला राष्ट्रपति मिल चुका है। डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच कड़ा मुकाबले में डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव जीत लिया है। चुनाव के नतीजों का असर दुनियाभर के बाजारों पर पड़ रहा है। भारत में भी शेयर बाजार और सोने की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। इस चुनाव ने दुनिया के बाजारों को हिलाकर रख दिया है। चाहे वो शेयर बाजार हों, सोना हो या फिर क्रिप्टोकरेंसी। चुनाव के नतीजों से तय होगा कि आगे क्या होगा। अमेरिका की नई सरकार ब्याज दरों और दुनिया भर के देशों से संबंधों को लेकर क्या रुख अपनाती है, यह भी महत्वपूर्ण होगा। अक्टूबर 2024 में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजारों से लगभग 1.14 लाख करोड़ रुपये निकाल लिए। इससे भारत रूस के बाद दुनिया का सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला बाजार बन गया।

- नतीजे तय करेंगे आगे शेयर, सोना और बिटकॉइन का क्या होगा
- अक्टूबर में एफआईआई ने भारतीय बाजारों से निकाले 1.14 लाख करोड़

अमेरिकी चुनाव नतीजों का कैसे पड़ेगा बाजार पर असर

जानकारों का कहना है कि रिपब्लिकन पार्टी (ट्रंप) की जीत से उम्मीद है कि फिर से ट्रेड वॉर शुरू कर हो जाए। वे आयातित सामानों पर टैक्स बढ़ा सकते हैं। अगर अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती में देरी होती है तो भारत जैसे उभरते बाजारों में भी रेपो रेट में कटौती में देरी हो सकती है। भारत में ब्याज दरों में कटौती में देरी से भारतीय अर्थव्यवस्था पर और दबाव पड़ेगा। यह पहले से ही धीमी गति से बढ़ रही है।

शेयरों का रुख : आने वाले समय में भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। उसके अनुसार, 'इजराइल-ईरान संघर्ष और अमेरिकी चुनावों के नतीजों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। चीन के आर्थिक प्रोत्साहन की घोषणा के बाद भारत से विदेशी संस्थागत निवेशकों का पैसा निकल रहा है।' अलग-अलग एसेट क्लास में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। लेकिन, निवेशकों को लॉन्ग टर्म के लिए अपनी रणनीति नहीं बदलनी चाहिए। निवेशकों को डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाना चाहिए। गिरावट के समय भी खरीदारी करते रहना चाहिए।

दुनियाभर के बाजारों को प्रभावित करेगी अमेरिका में जीत-हार

पूरी दुनिया के बाजारों पर देखने को मिल रहा चुनाव का असर

क्या करें निवेशक : जानकार निवेशकों को सलाह दे रहे हैं कि वे चुनाव परिणामों के बाद बाजार में आने वाले उतार-चढ़ाव के बावजूद शेयर बाजार में निवेश करते रहें। 'लंबी अवधि में इक्विटी ने अच्छा रिटर्न दिया है। बाजार के समय का अंदाजा लगाने की बजाय निवेशकों को गिरावट में अच्छी कंपनियों के शेयर खरीदने चाहिए।'

सोना और चांदी की दिशा : जानकारों का मानना है कि सोने में पिछले एक साल में तेजी देखने को मिली है। अस्थिरता खत्म होने के बाद इसमें 10 फीसदी तक की गिरावट आ सकती है। वे निवेशकों को सलाह देते हैं कि अगर सोने के दाम बढ़ते हैं तो वे मुनाफावसूली कर लें। बाद में कम दामों पर दोबारा खरीदारी करें। सोने की कीमतों में निकट भविष्य में बहुत ज्यादा तेजी आने की संभावना नहीं है। हालांकि, उनका मानना है कि वैश्विक घटनाक्रमों के कारण सोने की कीमतों में थोड़ी बहुत अस्थिरता देखने को मिल सकती है।

बिटकॉइन और क्रिप्टो का भविष्य : बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टो टोकन जैसी डिजिटल संपत्तियों में पिछले कुछ सत्रों में उतार-चढ़ाव देखा गया है। सबसे बड़ा डिजिटल एसेट बिटकॉइन 70,000 डॉलर के स्तर से नीचे कारोबार कर रहा है। वहीं, एथेरियम 2,500 डॉलर के निशान से नीचे है। क्रिप्टो का कुल बाजार पूंजीकरण 2 फीसदी से अधिक गिरकर 2.25 डॉलर ट्रिलियन हो गया। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि डिजिटल एसेट क्लास में में संस्थागत निवेश आएगा। जानकारों के मुताबिक, अमेरिका में इस चुनावी सीजन में क्रिप्टो पर फोकस किया गया है। यूएई और यूरोपीय संघ जैसे अधिक देशों की ओर से स्पष्ट नियम बनने के साथ क्रिप्टो निवेशकों के लिए एक प्रमुख एसेट क्लास बनने के लिए तैयार है।

क्या कहते हैं जानकार

एक्सपर्ट्स के अनुसार भारत में लोकसभा चुनाव के दौरान बाजार में जो उतार चढ़ाव दिखा था वह अमेरिका के चुनाव के बाद भी दिख सकता है। ऐसे में निवेशकों को चौकस रहने की जरूरत है। कुछ बातों का ध्यान रखेंगे तो आप बाजार की गिरावट में पैसा कमा सकते हैं। पोर्टफोलियो में नाटकीय रूप से बदलाव करते रहने से जोखिम बढ़ता है। ऐसी आदत लंबी अवधि के लक्ष्यों पर नकारात्मक असर डाल सकती है। बेहतर होगा कि बाजार में फौरी उतार-चढ़ाव को नजरअंदाज करें और अनुशासन बनाए रखें। यदि पोर्टफोलियो में बदलाव जरूरी लगे तो छोटे-छोटे बदलाव करें।

कई तरह के होते हैं एसआईपी सोच-समझकर चुनें प्लान

पैसा जोड़ने और बेहतर रिटर्न पाने का सबसे अच्छा माध्यम एसआईपी के जरिये लंबी अवधि के लिए निवेश प्लान बनाएं

इसके जरिये म्यूचुअल फंड में कर सकते हैं पैसे का निवेश, आसानी से हासिल कर पाएंगे अपने निर्धारित लक्ष्य को

मनी मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश करने जा रहे हैं तो एक बार निवेश के तरीकों को समझ लेना जरूरी है। इससे आप आसानी से अपने और अपने बच्चों के भविष्य के लिए अच्छा फंड तैयार कर सकते हैं। बाजार में निवेश के कई तरीके मौजूद हैं। लेकिन बाजार के जानकारों के मुताबिक सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) निवेश सबसे बेहतर तरीका माना जाता है। इसके जरियेनी से पैसा जुटा सकते हैं। हालांकि एसआईपी के जरिये निवेश करने के लिए आपको लंबी अवधि के लिए प्लान बनाना चाहिए। इससे आप अपने लक्ष्यों को असानी से हासिल कर सकते हैं। एसआईपी या व्यवस्थित निवेश योजना एक निवेश विकल्प है, जिसमें समय-समय पर, पूर्व-निर्धारित अंतरालों (जैसे कि एक माह या तिमाही) पर, बिना किसी रुकावट के, किसी योजना में पैसा निवेश किया जाता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि एसआईपी निवेशकों को नियमित निवेश और चक्रवृद्धि रिटर्न के माध्यम से धन बनाने में मदद करता है, भले ही वे छोटी शुरुआत करें। यह एनएसई या बीएसई जैसे इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से या मैन्युअल रूप से कागजी कार्रवाई भरकर और हर महीने फंड ट्रांसफर करके किया जाता है। एसआईपी म्यूचुअल फंड में निवेश करने का सबसे आसान और बेहतर तरीका है। आप एसआईपी के जरिए किस्तों में पैसे जमा कर सकते हैं, लेकिन बहुत से लोग एक या दो एसआईपी के बारे में जानते हैं, लेकिन एसआईपी कई तरह के हो सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं कि एसआईपी कितने तरह की होती है और इसमें आप कैसे आसानी से निवेश कर अपने वित्तीय लक्ष्यों तक पहुंच सकते हैं।

स्टेप-अप एसआईपी

स्टेप-अप एसआईपी के हत आपको एक तय सीमा तक पैसा बढ़ाने की सुविधा दी जाती है। आप स्टेप अप एसआईपी के तहत सालाना आधार पर पैसे बढ़ा सकते हैं। जैसे मान लीजिए आप हर महीने एसआईपी में 10 हजार रुपये निवेश करते हैं, तो आप इस निवेश राशि को 5 या 10 फीसदी तक बढ़ा सकते हैं। इस तरीके से आपका निवेश ऑटोमोटिक तरीके से बढ़ता रहता है।

रेगुलर एसआईपी

रेगलुर एसआईपी से ज्यादातर लोग वाकीफ होंगे। इस एसआईपी के तहत आप एक तय सीमा में निवेश करते हैं। इस एसआईपी में आप हर महीने, तीन महीने और छमाही में निवेश करते हैं। वहीं आप इसमें आप निवेश के लिए तारीख खुद भी तय कर सकते हैं।

फ्लेक्सिबल एसआईपी

फलेक्सिबल एसआईपी भी एसआईपी के टाइप में से एक है। इसके तहत आपको एसआईपी में कुछ बदलाव करने की जरूरत होती है। फ्लेक्सिबल एसआईपी के तहत आप रकम बढ़ा या घटा सकते है, लेकिन अगर आप ऐसा कुछ करना चाहते हैं, तो आपको फंड हाउस को पहले बताना पड़ता है। आपको एसआईपी के तहत पैसा कटने से एक हफ्ते पहले बताना होगा।

ट्रिगर एसआईपी

इस एसआईपी के बारे में बहुत कम लोग ही जानते होंगे। आप ट्रिगर एसआईपी के तहत आप निवेश करना है या नहीं। ये पैसे, समय और वैल्युएशन के आधार पर तय कर सकते हैं। जैसे मान लीजिए आप ये तय कर सकते हैं कि अगर म्यूचुअल फंड का एनएवी 1000 रुपये से ज्यादा होगा, तो एसआईपी शुरू हो जाए। वहीं जैसे ही एनएवी 1000 रुपये से कम हो, वैसे ही आपके पैसे एसआईपी में लगना शुरू हो जाएं। इस तरह आप टाइम और वैल्युएशन के आधार पर ट्रिगर एसआईपी प्लान कर सकते हैं।

इंश्योरेंस एसआईपी

इस एसआईपी के तहत आपको टर्म इंश्योरेंस कवर मिलता है। ये एसआईपी अलग-अलग फंड हाउस में अलग-अलग हो सकता है। ये एसआईपी भी आजकल लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही है। इसमें निवेश के साथ-साथ बीमा कवर भी मिलता है।

यह रखें ध्यान : अब जब आप एसआईपी करना जानते हैं, तो सबसे पहले आपको अपने वित्तीय उद्देश्यों को परिभाषित करना होगा। आपके निवेश लक्ष्यों को दीर्घकालिक वित्तीय उद्देश्य के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसे आप अपने पैसे से हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। इसमें रिटायरमेंट के लिए निवेश करना, आपातकालीन निधि बनाना या घर या कार जैसी महत्वपूर्ण खरीदारी के लिए बचत करना शामिल हो सकता है।

एसआईपी को ऐसे समझें

⏭ एसआईपी में निवेश कैसे करें और एसआईपी क्या है, यह एक सतत प्रश्न है। सरल शब्दों में कहें तो एसआईपी म्यूचुअल फंड में निवेश का एक विकल्प है, जिसमें नियमित अंतराल पर छोटी-छोटी रकम अलग-अलग तरह के म्यूचुअल फंड में निवेश की जाती है।

⏭ यह एक समय-परीक्षणित तकनीक है जो हानि के जोखिम को न्यूनतम करती है तथा निवेशक को नियमित निवेश करके कम लागत पर म्यूचुअल फंड यूनिट खरीदने की सुविधा प्रदान करती है।

⏭ व्यवस्थित निवेश योजनाएं या एसआईपी, म्यूचुअल फंड में निवेश करने के सबसे किफ़ायती तरीकों में से एक हैं। अगर आप नियमित अंतराल पर एक निश्चित राशि म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं, तो आप बाज़ार की अस्थिरता का फ़ायदा उठा सकते हैं, बिना बाज़ार की टाइमिंग की चिंता किए।

⏭ एसआईपी आपको शेयर बाजार के दैनिक उतार-चढ़ाव की चिंता किए बिना अपने पैसे को निवेश पर लगाने की सुविधा देता है।

जवानी में अपनाएं ये फार्मूला, मस्ती में आराम से कटेगा बुढ़ापा

प्लानिंग
बिजनेस डेस्क

- हर महीने खाते में आएंगे 2.5 लाख रुपये, नहीं होगी आर्थिक परेशानी
- रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए सबसे बेहतर विकल्प है एनपीएस
- थोड़ा-थोड़ा निवेश करने से रिटायरमेंट तक 5 करोड़ कर सकते हैं जमा

अक्सर देखने में आता है कि बहुत से लोग रिटायरमेंट प्लानिंग की तो करते हैं, लेकिन अधिकतर लोगों की टाइमिंग गड़बड़ हो जाती है। रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए आपको बुढ़ापे में नहीं, बल्कि जवानी में ही सोचना होगा। सोचना होगा कि कितने पैसे चाहिए और कहां पैसा निवेश करें, ताकि तगड़ा रिटर्न मिले। ध्यान रहे कि आप जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे, आपको हर महीने उतना ही कम निवेश करना पड़ेगा और उतना ही ज्यादा रिटर्न पा सकेंगे। रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए सबसे बेहतर विकल्प है एनपीएस (नेशनल पेंशन स्कीम), जिससे थोड़ा-थोड़ा निवेश करने से आप रिटायरमेंट तक 5 करोड़ रुपये जमा कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि कैसे आप रिटायरमेंट पर 2.5 लाख रुपये की पेंशन ले सकते हैं। इसके लिए आपको कितना पैसा जमा करना होगा और उसका रिटर्न क्या होगा।

5 करोड़ जमा करने का फॉर्मूला : आपको सबसे पहले तो यह समझना जरूरी है कि यह फॉर्मूला हर किसी पर लागू नहीं होता है। यह फॉर्मूला सिर्फ उन युवाओं पर लागू होगा, जिन्होंने हाल ही में नौकरी की शुरुआत की है। मान लेते हैं आप रिटायरमेंट पर यानी 60 साल की उम्र में 5 करोड़ रुपये जमा करना चाहते हैं और 25 साल की उम्र से पहले ही आपकी नौकरी लग गई है। अगर आप 25 साल की उम्र से ही अपनी सैलरी से हर रोज 442 रुपये बचाकर उसे एनपीएस में लगाना शुरू कर दें तो रिटायरमेंट पर आपके पास आसानी से 5 करोड़ रुपये जमा हो जाएंगे।

रोज के 442 रुपये बनेंगे 5 करोड़ : अगर आप रोज 442 रुपये बचाते हैं तो इसका मतलब है कि आपको हर महीने करीब 13,260 रुपये जमा करने होंगे। 25 साल की उम्र से ही आप निवेश शुरू कर देंगे तो 60 साल की उम्र तक आप 35 सालों तक निवेश करेंगे। अगर आपने ये पैसे एनपीएस में लगाए हैं तो वहां पर आपको औसतन 10 फीसदी का ब्याज मिल जाएगा। इस तरह कंपाउंडिंग इंट्रेस्ट मिलते-मिलते आपके पैसे 60 साल की उम्र में 5.12 करोड़ रुपये बन जाएंगे।

पावर ऑफ कंपाउंडिग से यह होगा : एनपीएस में अगर आप हर महीने 13,260 रुपये निवेश करते हैं तो 35 साल में आप कुल 56,70,200 रुपये का निवेश करेंगे। अब सवाल यह उठता है कि अगर निवेश 56.70 लाख रुपये का हुआ है तो 5 करोड़ रुपये कहां से आएंगे। दरअसल यह मुमकिन होगा पावर ऑफ कंपाउंडिंग से। इसके तहत आपको हर साल अपने मूलधन पर तो ब्याज मिलेगा ही, साथ ही उस मूलधन पर मिले ब्याज पर भी ब्याज मिलेगा। ऐसे में जब तक आप 35 साल तक 56.70 लाख रुपये जमा करेंगे, तब तक आपको कुल 4.55 करोड़ रुपये का तो ब्याज ही मिल चुका होगा। इस तरह आपका कुल निवेश 5.12 करोड़ रुपये हो जाएगा।

रिटायरमेंट पर हाथ में होंगे 5.12 करोड़ : ऐसा कहना गलत होगा कि रिटायरमेंट पर आपके हाथ में 5.12 करोड़ रुपये होंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि 60 साल बाद जब एनपीएस मेच्योर हो जाएगा, तो आप सिर्फ 60 फीसदी रकम ही निकाल सकते हैं। यानी आप करीब 3 करोड़ रुपये निकाल सकेंगे, जबकि बचे हुए करीब 2 करोड़ रुपये आपको किसी एन्युटी प्लान में लगाने होंगे। बता दें कि इस एन्युटी प्लान की बदौलत आपकी सारी जिंदगी पैसे मिलते रहेंगे।

रिटायरमेंट के पहले पैसे नहीं निकाल सकते : एनपीएस की मेच्योरिटी ही आपके 60 साल का होने के बाद होती है। ऐसे में आप 60 साल से पहले एनपीएस के पैसे नहीं निकाल सकते हैं। हालांकि, अगर आपको कोई इमरजेंसी पड़ जाए या किसी बीमारी, घर बनाने, बच्चों की पढ़ाई के लिए कुछ हद तक रकम निकाली जा सकती है। ध्यान रहे कि पैसे निकालने के नियम कभी भी बदले जा सकते हैं तो आपको जब पैसे निकालने हों, उससे पहले एनपीएस के नियमों को पढ़ लें। वैसे कोशिश हमेशा यही करनी चाहिए कि एनपीएस के पैसे रिटायरमेंट के बाद ही निकालें, ताकि आपका बुढ़ापा सुकून से कट सके।

हर महीने हाथ में आएंगे करीब ढाई लाख रुपये : अगर सारा का सारा कॉर्पस आप किसी एन्युटी प्लान में लगा देते हैं तो आपको हर महीने ढेर सारा पैसा मिलेगा. मान लीजिए कि आपको 5-6 फीसदी की ब्याज दर आसानी से मिल ही जाएगी। ऐसे में 5.12 करोड़ रुपये पर आपको सालाना 25.60- 30.72 लाख रुपये मिलेंगे। यानी हर महीने आपको 2.13-2.56 लाख रुपये सैलरी की तरह मिलेंगे।

शेयर हो, बैंक खाता या इंश्योरेंस, नॉमिनी का नाम जरूर लिखवाएं

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

अगर आपने भी कोई भी खाता खुलवाया है तो उसमें नॉमिनी जरूर लिखवाएं, वरना आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। किसी भी प्रकार के अकाउंट, लॉकर, इंश्योरेंस आदि में नॉमिनी का नाम जरूर लिखवाना चाहिए। अगर अकाउंट में नॉमिनी का नाम नहीं और अकाउंट होल्डर की मृत्यु हो जाए तो अकाउंट में जमा रकम या लॉकर में रखी चीजें परिवार के लोगों को बड़ी मुश्किलों से मिलती हैं। इसके लिए कोर्ट के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं। इसे आप एक उदाहरण से समझ सकते हैं। एक व्यक्ति एक्स एक प्राइवेट कंपनी में सीनियर पोस्ट पर थे। उन्होंने 30 लाख रुपये का लाइफ इंश्योरेंस कराया था। साथ ही वे शेयर मार्केट में भी पैसे निवेश करते थे। एक दुर्घटना में उनका निधन हो गया। जब उनके पिता इंश्योरेंस की रकम लेने बीमा कंपनी पहुंचे तो उन्हें पैसा नहीं मिला। कारण था कि एक्स ने अपने इंश्योरेंस में नॉमिनी का नाम नहीं लिखवाया था। इसी प्रकार उन्हें शेयर का भी पैसा भी नहीं मिला, क्योंकि उसमें भी कोई नॉमिनी नहीं था। बाद में उन्हें एक वकील की मदद लेनी पड़ी। कोर्ट-कचहरी के काफी चक्कर लगाने के बाद उन्हें अपने बेटे की रकम मिली। इसमें पैसा और समय दोनों खर्च हुए। परेशानी हुई वह अलग।

कौन होता है नॉमिनी

नॉमिनी वह शख्स होता है जो अकाउंट होल्डर की मृत्यु के बाद अकाउंट से उसके पैसे को निकाल सके। यह शख्स परिवार का सदस्य या दोस्त या जानकार, कोई भी हो सकता है। अकाउंट होल्डर जब चाहे, अपने अकाउंट से नॉमिनी का नाम बदल सकता है। काफी लोग नॉमिनी के तौर पर किसी संस्था का भी नाम लिखवा देते हैं। नॉमिनी वसीयतनामे से बिल्कुल अलग है। वसीयतनामे में वह शख्स अकाउंट होल्डर की संपत्ति का मालिक हो जाता है, जबकि नॉमिनी जरूरी नहीं कि मालिक हो।

■ नॉमिनी नहीं है तो फंस सकता है पैसा, जरूर कर लें यह काम

■ अकाउंट होल्डर की मृत्यु के बाद पैसा निकालने में होती है आसानी

■ नॉमिनी न होने पर मृतक के परिवार को कोर्ट के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं

संपति का मालिक नहीं होता नॉमिनी

नॉमिनी अकाउंट होल्डर की संपत्ति का मालिक नहीं, बल्कि केयरटेकर होता है। नॉमिनी अगर अकाउंट होल्डर की संपत्ति का कानूनी तौर पर अकेला वारिस है तो वह उस संपत्ति को अपने पास रख सकता है। वहीं अगर कानूनी वारिस नहीं है तो उसकी जिम्मेदारी है कि वह उस संपत्ति को मृतक के कानूनी वारिसों में बांट दे। अकाउंट होल्डर की मृत्यु के बाद बैंक या दूसरे वित्तीय संस्थान अकाउंट में जमा रकम नॉमिनी को दे देते हैं। इसके बाद नॉमिनी की जिम्मेदारी है कि वह उस रकम को मृतक के वारिसों तक पहुंचाए। अगर वह रकम उन्हें नहीं पहुंचाता है तो यह मामला नॉमिनी और मृतक के वारिसों के बीच का हो जाता है। यहां बैंक की कोई भूमिका नहीं रहती।

कब जुड़वाएं नॉमिनी

बैंक अकाउंट, पॉलिसी, इंश्योरेंस, डीमैट अकाउंट, लॉकर, एफडी आदि में नॉमिनी का नाम जरूर लिखवाना चाहिए। वैसे तो नॉमिनी के तौर पर किसी भी शख्स का नाम लिखवा सकते हैं। लेकिन जानकार कहते हैं कि अकाउंट होल्डर के निधन के बाद परिवार के लोग कानूनी चक्कर में न पड़ें, इससे बेहतर है कि उसी शख्स का नाम लिखवाएं जो कानूनी वारिस हो। अगर अकाउंट खुलवा लिया है और नॉमिनी का नाम नहीं लिखवाया है तो अब भी नाम लिखवा सकते हैं। अकाउंट में एक से ज्यादा नॉमिनी का भी नाम लिखवा सकते हैं।

नॉमिनी न होने पर पड़ सकते हैं ये चक्कर

बैंक या इंश्योरेंस कंपनी मृतक की रकम को उसके परिवार के किसी भी सदस्य को नहीं देगी। बैंक लीगल वारिस के लिए कोर्ट की तरफ से जारी पेपर मांग सकता है। कई बार कोई दूर का रिश्तेदार या अनजान शख्स भी खुद को मृतक का वारिस घोषित कर देता है। ऐसे में मामला और उलझ जाता है। अगर परिवार के सदस्यों में आपसी कलह हो जाए तो मामला कोर्ट तक चला जाता है। इसका फैसला होने में 6 महीने या कई साल तक लग सकते हैं। परिवार के लोग किसी कानूनी चक्कर में न फंसें, इसलिए आज ही अपने अकाउंट में कानूनी वारिस का नाम नॉमिनी के तौर पर लिखवाएं।

हिन्दी साप्ताहिक समाचार-पत्र

NAMASTE RAJASTHAN

नमस्ते राजस्थान

खबरों की सत्यता, निष्पक्षता, पारदर्शिता

E-MAIL
namasterajasthan11@gmail.com
nrnews100@gmail.com

ईरानी योजना में हुआ इस बात का बड़ा खुलासा

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशरी गार्ड कोर के अधिकारियों ने एक शख्स को डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रचने के लिए भाड़े पर तैयार किया था। आरोपी की पहचान फरहाद शकेरी के रूप में की गई है, जो एक ईरानी सरकारी कर्मचारी है। वह डकैती के मामले में अमेरिकी जेल में रह चुका है।

चुनाव से पहले डोनाल्ड ट्रंप को मारने की थी एक और साजिश एफबीआई ने नाकाम किया षड्यंत्र, आरोपी ने उगले कई राज

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के न्याय विभाग ने नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश का खुलासा किया है। न्याय विभाग ने एक ईरानी व्यक्ति पर ट्रंप की हत्या की साजिश रचने के लिए आरोप तय किया है। आरोपों के अनुसार, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के अधिकारियों ने इस व्यक्ति को डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रचने के लिए भाड़े पर तैयार किया था। उसे अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले डोनाल्ड ट्रंप की हत्या का काम सौंपा गया था। जांचकर्ताओं ने बताया कि आरोपी की पहचान फरहाद शकेरी के रूप में की गई है, जो एक ईरानी सरकारी कर्मचारी है। वह डकैती के मामले में अमेरिकी जेल में रह चुका है। अधिकारियों ने बताया कि उसने निगरानी और भाड़े पर हत्या की साजिशों के लिए तेहरान के सहयोगियों का नेटवर्क बना रखा है।

1 ट्रंप के हारने के बाद भी मारने का था पूरा प्लान

2 आईआरजीसी ने रचा हत्या की साजिश का खेल

3 आरोपी ने तेहरान में बना रखा है नेटवर्क

नाकाम होने पर चुनाव बाद की योजना थी

एफबीआई की पूछताछ के दौरान फरहाद शकेरी ने बताया कि ट्रंप को मारने के लिए ईरानी अधिकारी ने कहा था कि पैसे के लिए चिंता करने की जरूरत नहीं है। आईआरजीसी अधिकारी ने कहा था कि हमने पहले ही बहुत पैसा खर्च कर दिया है और पैसा कोई मुद्दा नहीं है। उसे यह भी कहा गया था कि अगर 7 दिनों तक मारने की योजना नहीं बन पाती है तो चुनाव तक के लिए साजिश को रोक दिया जाएगा। अधिकारी का मानना था कि ट्रंप हार जाएंगे और तब उन्हें मारना आसान होगा।

सात दिन के भीतर भी मारने की साजिश

मैनहट्टन की संघीय अदालत में शिकायत के अनुसार, एफबीआई को इस योजना की जानकारी हो गई थी, जिसके बाद इसे नाकाम कर दिया गया। शकेरी ने एफबीआई को बताया कि ईरानी रिपब्लिकन गार्ड के अधिकारी ने उसे पिछले सितंबर में निर्देश दिया था कि वह अपने बाकी काम छोड़कर 7 दिनों के भीतर ट्रंप की निगरानी करने और उन्हें मारने की योजना तैयार करे।

ट्रंप को संघीय कोर्ट से राहत, चुनाव में गड़बड़ी से जुड़े मुकदमे होंगे बंद

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद डोनाल्ड ट्रंप को संघीय अदालत से चुनाव गड़बड़ी मामले में बड़ी राहत मिली है। संघीय न्यायालय ने अभियोजन पक्ष की ओर से किए गए आवेदन के बाद ट्रंप के खिलाफ चल रहे मुकदमों को बंद करने का फैसला किया है। हालांकि मुकदमों को कैसे बंद किया जाए, इस पर अभियोजक दो दिसंबर तक निर्णय लेंगे। वॉशिंगटन में अमेरिकी संघीय न्यायाधीश तान्या चुटकन ने मामले में अभियोजन पक्ष के वकील जैक स्मिथ की ओर से किए गए आवेदन को मंजूरी दे दी। जैक स्मिथ ने आवेदन में कहा था कि वे पूर्व-परीक्षण कार्यक्रम में शेष समय-सीमाओं को हटा दें, ताकि सरकार को इस अभूतपूर्व परिस्थिति का आकलन करने और आगे के लिए उचित रास्ता तय करने का समय मिल सके। इसके बाद अमेरिका के न्याय विभाग ने भी इस पर चर्चा शुरू कर दी है मामले को कैसे समाप्त किया जाए। दरअसल अमेरिका की न्याय नीति के मुताबिक किसी कार्यरत राष्ट्रपति पर आपराधिक मुकदमा नहीं चलाया जा सकता है। वहीं जनवरी में डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका में राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे।

खबर संक्षेप

एमक्यू-9 ड्रोन को हूती विद्रोहियों ने मार गिराया

सना। हूती विद्रोहियों ने इजराइल के नेवातिम एयरबेस को एक बैलिस्टिक मिसाइल से निशाना बनाने का दावा करते हुए कहा कि उसने यमन के अल-जौफ प्रांत के ऊपर एक अमेरिकी 'एमक्यू-9 रीपर' ड्रोन को मार गिराया है। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरेया ने बयान में कहा कि गाजा पट्टी में हमास और लेबनान में हिजबुल्लाह के समर्थन में, हमने नेवातिम एयरबेस की ओर एक मिसाइल दागी।

सोपोर में सेना ने एक आतंकी को किया ढेर

बारामूला। जम्मू-कश्मीर के बारामूला के सोपोर में शनिवार शाम को सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया है। इससे पहले 8 नवंबर को सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया था। इसके बाद से ही सोपोर में सर्च ऑपरेशन जारी है। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को रामपुर जंगल में 2-3 आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद से सुरक्षाबलों का जॉइंट सर्च ऑपरेशन जारी है।

पाकिस्तान में खूनी खेल जारी

क्वेटा रेलवे स्टेशन पर हुआ बम विस्फोट, 26 मरे, 62 घायल

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में भीड़भाड़ वाले रेलवे स्टेशन पर शनिवार को शक्तिशाली बम विस्फोट हुआ। इस दौरान में कम से कम 26 लोग मारे गए। धमाके में 62 अन्य घायल बताए जा रहे हैं। धमाका प्रांतीय राजधानी क्वेटा के रेलवे स्टेशन पर उस वक्त हुआ, जब यात्री पेशावर के लिए जाफर एक्सप्रेस के निर्धारित प्रस्थान से पहले प्लेटफॉर्म पर जमा हुए थे। क्वेटा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ऑपरेशन मुहम्मद बलूच ने कहा कि प्रारंभिक निष्कर्ष आत्मघाती बम विस्फोट की ओर इशारा करते हैं।

बुकिंग कार्यालय में हुआ धमाका

प्रारंभिक रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि विस्फोट रेलवे स्टेशन के बुकिंग कार्यालय में हुआ। विस्फोट से प्लेटफॉर्म की छत को भी नुकसान पहुंचा है। इसकी आवाज शहर के कई इलाकों में दूर-दूर तक सुनाई दी। प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद के अनुसार, बचाव और कानून प्रवर्तन टीमों ने तुरंत मोर्चा संभाला और इलाके की घेराबंदी कर हालात पर काबू पाने की कोशिश की। घायलों और मृतकों को सिविल अस्पताल क्वेटा पहुंचाया गया। अस्पताल में आपातकाल घोषित कर दिया गया है।

सीएम ने हमले की निंदा की

हमले की जिम्मेदारी मिलिटेंट ग्रुप बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने ली है। बीएलए के प्रवक्ता ने कहा कि आत्मघाती हमले को मजीद ब्रिगेड यूनिट ने अंजाम दिया। उनका निशाना मिलिटेंट इन्फैंट्री स्कूल के सैनिक थे, जो कोर्स पूरा कर जाफर एक्सप्रेस से पेशावर जाने वाले थे। बलूचिस्तान के सीएम सरफराज बुगती ने हमले की निंदा करते हुए इसे निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने वाला एक भयानक कृत्य करार दिया है। उन्होंने तत्काल जांच के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि आतंकी तेजी से नागरिकों, मजदूरों, महिलाओं और बच्चों को निशाना बना रहे हैं। हम जिम्मेदार लोगों को कतई नहीं बख्शेंगे।

रद्द हुई छात्रों को तेजी से वीजा देने की 'डायरेक्ट स्ट्रीम वीजा योजना'

अब टेढ़ी खीर साबित होगा भारतीय छात्रों के लिए कनाडा जाकर पढ़ना

▶▶ नई दिल्ली

खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद से भारत और कनाडा के रिश्तों में जमी बर्फ के पिघलने के फिलहाल कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। ताजा मामला बीते शुक्रवार को कनाडा द्वारा रद्द की गई 'डायरेक्ट स्ट्रीम वीजा योजना' से जुड़ा हुआ है। जिसके बाद भारतीय छात्रों के लिए कनाडा के शैक्षणिक संस्थानों में जाकर पढ़ाई करना बेहद मुश्किल हो जाएगा।

कनाडा के अप्रवासन, शरणार्थी और नागरिकता कनाडा (आईआरसीसी) विभाग ने 8 नवंबर को इसे लेकर एक नोटिस जारी किया है। जिसमें बताया है कि इस तारीख में दोपहर 2 बजे तक जो आवेदन मिले होंगे। उन पर वीजा के संबंध में विचार किया जाएगा। जबकि इस अवधि के बाद आने वाले आवेदनों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। कनाडा के इस कदम से भारत के साथ उसके संबंधों में तनाव बढ़ सकता है। वहीं, मौजूदा साल की शुरुआत में कनाडा ने अप्रवासी छात्र वीजा को रद्द करने की कवायद का आगाज कर दिया था।

यूं भारतीय छात्रों को भाता कनाडा

कनाडा ने स्टडी वीजा और नागरिकता के नियमों में बदलाव किए हैं। वहां अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों की तुलना में पढ़ाई सस्ती है। इसके अलावा छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ नौकरी मिलना आसान है। उनके लिए छात्रवृति जैसी कई योजनाएं हैं, जिनकी मदद से वह आसानी से कनाडा में रह सकते हैं। यह तमाम कारण हैं जिसकी वजह से छात्रों की पढ़ाई की पहली और अहम पसंद कनाडा रहा है।

पीएम ट्रूडो ने कहा कि कनाडा में मौजूद खालिस्तान समर्थक और अलगाववादी देश में सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। खालिस्तानी अलगावादियों की मौजूदगी के बारे में ट्रूडो का कबूलनामा भारत के इस रुख को साफ करता है कि कनाडा खालिस्तानी तत्वों को पनाह दे रही

कनाडा के इस कदम से दोनों देशों के बीच और बढ़ेगा तनाव

कनाडा में 4 लाख से अधिक भारतीय छात्र

विदेश मंत्रालय ने संसद में एक आंकड़े के जरिए बताया था कि भारत के कुल करीब 13 लाख 35 हजार 878 छात्र विदेशों में मौजूद विभिन्न अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षा ले रहे हैं। इसमें इनकी सबसे ज्यादा संख्या कनाडा में है। जहां 4 लाख 27 हजार भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। दूसरे स्थान पर अमेरिका आता है, जहां 3 लाख 37 हजार 630 भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। तीसरे स्थान पर 1 लाख 85 हजार छात्रों के साथ ब्रिटेन और चौथे स्थान पर 1 लाख 22 हजार 202 छात्रों के साथ ऑस्ट्रेलिया और पांचवें स्थान पर जर्मनी है जहां 42 हजार 997 भारतीय छात्र शिक्षा ले रहे हैं। पिछले छह सालों में विदेशों में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों की संख्या दोगुनी हो गई है। वर्ष 2019 में यह आंकड़ा 6 लाख 75 हजार 541 था और 2024 में बढ़कर 13 लाख 35 हजार 878 पर पहुंच गया है।

कनाडा सरकार ने वेबसाइट में दी जानकारी

घरों व अन्य संसाधनों की कमीः कनाडा

कनाडा ने डायरेक्ट स्ट्रीम वीजा योजना की शुरुआत वर्ष 2018 में भारत समेत दुनिया के 14 देशों के छात्रों को अपने शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ाई के लिए तेजी से वीजा प्रदान करने के उद्देश्य से की थी। कनाडा की सरकार ने अपनी वेबसाइट में बताया कि वीजा से जुड़े इस कदम को रद्द करने के पीछे कार्यक्रम की पवित्रता, छात्रों की दिक्कतों पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा सभी छात्रों को आवेदन प्रक्रिया में निष्पक्ष रूप से समान भागीदारी प्रदान करना है। छात्रों की बढ़ती आबादी की वजह से उनके लिए घरों और अन्य जरूरी संसाधनों की कमी हो रही है। इस निर्णय के पीछे यह भी एक अहम वजह रही है।

कनाडा सरकार ने बदली नीति

जानकारों का मानना है कि बीते कई वर्षों में यह पहली बार है जब कनाडा ने अप्रवासियों की संख्या में कटौती की है। जबकि पूर्व में उसके द्वारा नव आगंतुकों का खुले मन से स्वागत किया जाता था। यह एक प्रकार से कनाडा की अप्रवासन नीति में आया एक बड़ा बदलाव है। कुछ का कहना है कि इस निर्णय का संबंध अगले साल 2025 में कनाडा में होने वाले आम चुनावों से है। जिन्हें लेकर जनता का एक बड़ा वर्ग यह मान रहा है कि उनके देश में अप्रवासियों की तादाद तेजी से बढ़ रही है।

बढ़ते आतंकी हमलों के बीच सेनाप्रमुख ने कठुआ में लिया सैन्य तैयारियों का जायजा

भारत और फ्रांस के बीच संपन्न हुई 20वीं सेना स्टाफ वार्ता

▶▶ नई दिल्ली

बीते कुछ दिनों से जम्मू-कश्मीर में बढ़ते आतंकवादी हमलों के बीच सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कठुआ में भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा (एलओसी) से लगे सुदूर सीमाई इलाकों का दौरा वहां बनी हुई सैन्य तैयारियों का व्यापक रूप से जायजा लिया। इस दौरान सेना की राइजिंग स्टार कोर के वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें आतंकवाद से दो-दो हाथ करने के लिए पूरी मुस्तैदी से तैनात सेना की रणनीतिक तैयारियों के प्रत्येक पहलू से अवगत कराया। सेना के सार्वजनिक सूचना महानिदेशालय (एडीजीपीआई) ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी।

फ्रांस के साथ रक्षा सहयोग पर चर्चा

एक अन्य पोस्ट में एडीजीपीआई ने बताया कि भारत और फ्रांस के बीच 20वीं सेना स्टाफ वार्ता संपन्न हुई। इसमें वार्षिक रक्षा सहयोग योजना पर रचनात्मक रूप से चर्चा की गई।

'थिनक्यू 2024' के ग्रैंड फिनाले के बाद बोले नौसेना प्रमुख

'कौन कहां है और क्या कर रहा है' हमें सब पता

भारत के पास महासागरों की निगरानी के लिए प्रभावी तंत्र

एजेंसी ▶▶ कन्नूर (केरल)

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने कहा है कि भारत के पास महासागरों की निगरानी के लिए एक प्रभावी तंत्र है तथा यह इस बात से पूरी तरह से अवगत है कि 'कौन कहां है और कौन क्या कर रहा है' ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि देश के हितों के साथ कोई समझौता न हो।

नौसेना प्रमुख ने दक्षिण चीन सागर में चीन द्वारा दोहरे विमानवाहक पोत संचालन को भी खारिज करते हुए कहा कि 'इससे हमें चिंतित होने की जरूरत नहीं है।'

भारतीय नौसेना द्वारा शुक्रवार शाम आयोजित राष्ट्रव्यापी क्विज प्रतियोगिता 'थिनक्यू 2024' के ग्रैंड फिनाले के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए त्रिपाठी ने कहा कि भारत अपने हित के क्षेत्र में गतिविधियों पर कड़ी नजर रखता है।

नवाचार सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक

त्रिपाठी ने कहा कि नवाचार नौसेना की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है और भारतीय नौसेना हमेशा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शीर्ष पर बने रहना चाहती है। हम अपने अधिकारियों और कैडेट की भर्ती एक प्रक्रिया के तहत करते हैं। हम योग्यता का आकलन करते हैं। मुझे संसाधनों की गुणवत्ता की चिंता नहीं है जो हमें मिल रही है। नौसेना को उन दो युवा महिला अधिकारियों पर बहुत गर्व है जो 'नाविका सागर परिक्रमा-2' कर रही हैं।

चीन के प्रभाव के बीच भारत ने मोजाम्बिक को सौंपी गश्ती नौकाएं

दोनों देशों के सैन्य और सामरिक संबंधों को मिलेगी मजबूती

▶▶ नई दिल्ली

अफ्रीका महाद्वीप में तेजी से बढ़ते चीन के प्रभाव के बीच भारतीय नौसेना ने मोजाम्बिक को दो पानी के जेट से चलने वाली तीव्र गश्ती नौकाएं (एफआईसी) सौंपी हैं। पिछले शुक्रवार 8 नवंबर को यह दोनों नौकाएं नौसेना के जंगी युद्धपोत आईएनएस घड़ियाल की मदद से मोजाम्बिक के नकाला बंदरगाह पर पहुंची थीं। जहां आयोजित एक समारोह में नौसेना ने इन्हें आधिकारिक रूप से मोजाम्बिक की सरकार के प्रतिनिधियों को सौंपा। नौसेना ने शनिवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। कार्यक्रम में मोजाम्बिक में भारत के उच्चायुक्त रॉबर्ट शेटकिनटोंग, राजधानी मापुटो में हालिया नवनियुक्त रक्षा सलाहकार कर्नल पुनीत अत्री, आईएनएस घड़ियाल के कमांडिंग अधिकारी कमांडर रंजन छिब व मोजाम्बिक सरकार के कई गणमान्य अधिकारी शामिल हुए।

समुद्री आतंकवाद से करेंगे दो-दो हाथ

नौसेना ने बताया कि इन दोनों नौकाओं की समुद्र में अधिकतम गति 45 नॉट्स है। लेकिन 12 नॉट्स के साथ यह 200 समुद्री मील तक की दूरी तय कर सकती हैं। इनमें मशीन गन और बंदूक रोधी केबिन के साथ पांच सदस्यीय चालक दल आसानी के साथ समुद्री गश्त कर सकता है। दोनों नौकाओं की मदद से मोजाम्बिक की सरकार के काबो डेलगाडो प्रांत में जारी उग्रवाद और समुद्री आतंकवाद से निपटने के प्रयासों को बल मिलेगा। सागर विजन और हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में मित्र देशों को इस तरह के सैन्य उपकरणों को सौंपकर लगातार उनकी रणनीतिक क्षमता में इजाफा करने में लगा हुआ है। कई देशों के सैन्यकर्मियों को समुद्री सुरक्षा और उससे जुड़ी हुईचुनौतियों जैसे डकैती, मानव तस्करी, अवैध मछली पालन और समुद्री आतंकवाद से निपटने के लिए प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है।

दोनों देशों के बीच मजबूत भागीदारी

भारत और मोजाम्बिक के बीच एक व्यापक सामरिक भागीदारी है। जो हर बीतते साल के साथ और अधिक प्रगाढ़ हो रही है। भारत हिंद महासागर क्षेत्र में अपने समुद्री पड़ोसी देशों को सहयोग प्रदान करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। क्योंकि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सागर विजन से संचालित एक महत्वपूर्ण गतिविधि है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में करेंगी शिरकत

पुरी में 'ब्लू फ्लैग बीच' पर मनाया जाएगा नौसेना दिवस समारोह

▶▶ नई दिल्ली

इस वर्ष 4 दिसंबर 2024 को नौसेना दिवस समारोह का आयोजन ओडिशा के पुरी में 'ब्लू फ्लैग बीच' पर किया जाएगा। इसमें तीनों सशस्त्र सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगी। समारोह के दौरान नौसेना द्वारा अपने जंगी बेड़े की प्रचंड रणनीतिक क्षमता का प्रदर्शन किया जाएगा। नौसेना ने शनिवार को बताया कि प्राचीन ब्लू फ्लैग बीच पर नौसेना दिवस समारोह के आयोजन के पीछे बल और ओडिशा राज्य की समुद्री विरासत को आमजन तक पहुंचाना है।

राज्य की समुद्री विरासत को आमजन तक पहुंचाना उद्देश्य

हथियारों की लाइव फायरिंग का आनंद ले सकेंगे लोग

नौसेना जनता को बहुआयामी युद्धक क्षमता से रूबरू कराएगी

नौसेना के मुताबिक, इस कार्यक्रम के जरिए नौसेना ओडिशा की जनता को अपनी बहुआयामी युद्धक क्षमता से रूबरू कराएगी। जिससे उनकी समुद्री जागरूकता में इजाफा होगा और वह भारत की समृद्ध समुद्री विरासत को और अधिक सम्मान देंगे। कार्यक्रम के बेहतर संचालन के लिए भारतीय नौसेना ओडिशा की राज्य सरकार, स्थानीय एजेंसियों के साथ बेहद निकटता से काम कर रही है। समारोह स्थल पर स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों के बैठने के लिए सीटों की व्यवस्था इस तरह से की जाएगी कि पुरी तट पर सभी लोग आसानी से नौसैन्य बेड़े में शामिल जंगी प्लेटफार्म और हथियारों द्वारा की जाने वाली लाइव फायरिंग का आनंद ले सकेंगे।

2023 में सिंधुदुर्ग में हुआ था नौसेना दिवस

गौरतलब है कि बीते वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर सेना, वायुसेना और नौसेना अपने स्थापना दिवस जैसे बड़े और महत्वपूर्ण आयोजनों को राजधानी दिल्ली के बाहर देश की बाकी जगहों पर आयोजित कर रही हैं। इसके पीछे एक बड़ा कारण इन अहम कार्यक्रमों और सशस्त्र बलों के बारे में बाकी राज्यों के लोगों में रुचि उत्पन्न करना और जागरूकता बढ़ाना है। पिछले साल 2023 में महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में नौसेना दिवस समारोह आयोजित किया गया था।

बिश्नोई के निशाने पर पुणे का एक नेता भी था

मुंबई। मुंबई क्राइम ब्रांच के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या से जुड़े मामले में खुलासा किया है कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग के रडार पर पुणे का एक और नेता था। गैंग उन्हें भी मारने की योजना बना रहा था और अपने शूटरों के जरिए अपराध को अंजाम देने की जिम्मेदारी दी थी। अधिकारी के अनुसार अपराध को अंजाम देने की जिम्मेदारी प्लान बी में शामिल शूटरों को दी गई थी। यह मामला तब सामने आया जब मुंबई क्राइम ब्रांच ने एक पिस्तौल बरामद की, जिसका इस्तेमाल अपराध को अंजाम देने के लिए किया जाने वाला था।

स्वात्वाधिकारीः प्रकाशक एवं मुदकः पंकज गर्ग द्वारा नमस्ते राजस्थान 14/71, प्रेम भवन, चितौडवालो की हवेली के पास, इंद्रा मार्केट के सामने, शाम की सब्जी मंडी रोड, भोपालगंज, भीलवाड़ा, राजस्थान 311001 से प्रकाशित एवं डीबी कॉर्प लि. दैनिक भास्कर प्रिंटिंग प्लांट, 12 इंद्रा सर्किल, गठिलाखेडा, शारदा ड्रिम कॉलोनी के पास चितौड रोड़, भीलवाड़ा राजस्थान से मुदित। संपादकः पंकज गर्ग, कार्यालय नंबरः 01482-455184, मों. 9214417111, 8005910698, E-MAIL:namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com